शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 45 | गुवाहाटी | मंगलवार, 15 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चीन ने एलएसी पर कम की सैनिकों की संख्या, अब 10 आर्म्स ब्रिगेड तैनात पेज 2
नगांव उपचुनाव में भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, संगठन की एकजुटता... पेज 3
कांग्रेस और भाजपा को 44-44 और रालोपा को मिली एक सीट, 10 निर्दलीय जीते पेज 5
डब्ल्यूयूसीएल के तीसरे सत्र में खेलने के लिए तैयार है पूर्व दिग्गज पेज 7

गुवाहाटी घोषणा को मिला ब्रिक्स का समर्थन

असम के मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को वैश्विक समर्थन

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा में गुवाहाटी घोषणा को मान्यता दिए जाने का स्वागत करते हुए इसे मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। गुवाहाटी घोषणा को ब्रिक्स सदस्य देशों की नशीली दवाओं के खिलाफ काम करने वाली एजेंसियों के प्रमुखों द्वारा अपनाया गया था और अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाई गई घोषणा में इसे औपचारिक मान्यता मिल गई है। शर्मा ने कहा कि इस घटनाक्रम से मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में असम की भूमिका को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

डीसी सम्मेलन : पॉलिसी में बदलाव और विकास के रोडमैप पर हुई मुख्य रूप से चर्चा

जोरहाट। सोमवार को जोरहाट में डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर्स (डीसी) के सम्मेलन के दूसरे दिन, असम सरकार की अगले छह महीने से एक साल तक की विकास प्राथमिकताओं, साथ ही अलग-अलग विभागों में पॉलिसी में बदलाव और प्रशासनिक सुधारों पर चर्चा हुई। कृषि मंत्री पीयूष हजारिका, जो कैबिनेट के कई सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन में शामिल हुए, ने कहा कि लगभग सभी विभागों पर चर्चा हुई, जिसमें आने वाले महीनों में राज्य द्वारा शुरू की जाने वाली विकास पहलों पर खास ध्यान दिया गया। हजारिका ने जोरहाट में प्रेस को बताया कि पॉलिसी और सुधारों पर बातचीत सहित लगभग सभी विभागों पर चर्चा हुई है। उन चीजों पर चर्चा की गई जिन पर असम अगले छह महीने या एक साल में काम करेगा, खासकर विकास पहलों के बारे में। मंत्री ने कहा कि सम्मेलन के सोमवार को रात करीब 10 बजे तक चलने की उम्मीद है। इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि सम्मेलन के दूसरे दिन जिले के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, पब्लिक सर्विस डिलीवरी और कानून-व्यवस्था के साथ-साथ केंद्र और -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा-आई के सीनियर कैडर ने तिनसुकिया पुलिस के सामने किया सरेंडर

डिब्रूगढ़। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) के एक सीनियर कैडर, अनोलजॉय असम ने सोमवार को तिनसुकिया पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे विद्रोही संगठन के लिए एक बड़ा झटका बताया है। सूत्रों के मुताबिक, अनोलजॉय लंबे समय से म्यांमार के याजोंग इलाके में रह रहा था। बताया जाता है कि वहां रहने के दौरान उसने म्यांमार की एक महिला से शादी की थी और वहीं रह रहा था। सूत्रों ने बताया कि अनोलजॉय को अल्फा-आई का सीनियर सदस्य माना जाता था और उसके सरेंडर -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने नगांव उपचुनाव के लिए सिबामोनी बोरा को उम्मीदवार बनाया

गुवाहाटी। नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को लेकर कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए, कांग्रेस ने सोमवार को पूर्व बटाद्रवा विधायक सिबामोनी बोरा को इस सीट से उम्मीदवार नामित किया, जिससे भाजपा, एआईयूडीएफ और टीएमसी के साथ चार-कोणीय मुकाबला स्थापित हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 9-नगांव संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव के लिए बोरा की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है, पार्टी ने सोमवार को एक बयान में यह बात कही। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम के 9-नगांव संसदीय क्षेत्र से आगामी लोकसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के रूप में पूर्व विधायक सिबामोनी बोरा की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है, बयान में कहा गया है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है, और यह घोषणा कांग्रेस के असम प्रभारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा गुवाहाटी के राजीव भवन में पार्टी की असम इकाई के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राजतंत्र से संबंधित घरेलू और बाह्य, दोनों कर्तव्यों को राजतंत्र का अंग कहा जाता है।

– आचार्य चाणक्य

हिंदी की प्रगति के लिए अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान और संरक्षण जरूरी : अमित शाह

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नवी मुंबई में कहा कि हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने हिंदी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की ताकत बताया। नवी मुंबई में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत की अनेक भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा का अपना इतिहास, लोक परंपरा और विश्वदृष्टि है, जो नई पीढ़ी के मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषाई विविधता देश में *विविधता में एकता* की भावना को भी मजबूत करती है। गृह मंत्री ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की *स्मृति* और *आत्म-जागरूकता* भी होती है। हिंदी ने संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमित शाह ने -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस एनकाउंटर में मारा गया पत्नी की हत्या का आरोपित पति

गुवाहाटी। अपनी पत्नी रिया तालुकदार की बेरहमी से हत्या करने वाले रामानुज गोस्वामी की सोमवार तड़के मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को जब मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उसने नरकासुर पहाड़ी के पास चलती पुलिस गाड़ी से छलांग लगा दी। इस घटना में उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई। गौरतलब है कि रविवार को उसकी सात दिन की पुलिस रिमांड खत्म हो गई थी और सोमवार को उसे अदालत में पेश किया जाना था। रामानुज और रिया की शादी पिछले साल 22 सितंबर को हुई थी। 3 सितंबर की सुबह दोनों के बीच रिया के कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर तीखी बहस हुई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि रामानुज ने आपा खो दिया और रिया की हत्या -शेष पृष्ठ दो पर

पिता ने कहा कि शव घर भेजा जाए तो मैं ले लूंगा

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठपुर क्षेत्र में पत्नी की कथित हत्या के आरोपित रामानुज गोस्वामी के शव को लेने के लिए गुवाहाटी आने में उनके पिता ने असमर्थता जताई है। उन्होंने कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से गुवाहाटी जाकर अपने बेटे का शव लेने की स्थिति में नहीं हैं। रामानुज के पिता ने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा 21 लोगों की मौत

केप टाउन (हि.स.)। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। हादसा लीउ-गामका और प्रिंस अल्बर्ट के बीच हाईवे पर हुआ, जहां दो मिनीबस टैक्सी और एक एसयूवी की टक्कर हो गई। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी -शेष पृष्ठ दो पर

गंगा नदी में पलटी नाव 10 बांग्लादेशियों को बीएसएफ ने बचाया

कोलकाता। बीएसएफ की मालदा सेक्टर की 71वीं बटालियन के सतर्क जवानों ने बचाव अभियान में 10 बांग्लादेशी नागरिकों (जिनमें तीन बच्चे, तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल थे) की जान बचाई। उनकी नाव गंगा नदी की तेज लहरों में पलट गई थी। बचाए गए लोगों में एक 30 दिन का नवजात शिशु भी था, जिसकी हालत गंभीर थी; उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया और पास के सरकारी अस्पताल ले जाया -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल को राहत

भारत ने 31 दिसंबर तक 18 घंटे बिजली के निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे नेपाल की मदद के लिए भारत ने बिजली निर्यात बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने नेपाल विद्युत प्राधिकरण को 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। मंत्रालय के अनुसार, मुजफ्फरपुर-ढालकेबर 400 केवी डीसी लाइन के जरिए नेपाल को अधिकतम 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा टनकपुर-महेंद्रनगर 132 केवी एस-सी लाइन के -शेष पृष्ठ दो पर

मलेशियाई पीएम ने मुस्लिम समाज को चेताया, बोले-

एआई को समझे बिना हम गुलाम बन जाएंगे

कुआलालंपुर/नई दिल्ली (हि.स.)। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मुस्लिम विद्वानों और समुदायों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उभरती तकनीकों को समझने और उनके साथ कदम मिलाकर चलने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीकी बदलावों से पीछे रहने पर मुस्लिम समाज बाहरी -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीपीआई के 20 में से 17 लोस सांसद अगले महीने भाजपा में शामिल हो सकते हैं : बसुनिया

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए 20 लोकसभा सांसदों में से 17 अगले महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। कूचबिहार से लोकसभा सांसद और एनसीपीआई सांसदों के खेमे के प्रमुख नेताओं में शामिल जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने सोमवार को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने रचा इतिहास, आर्टिफिशियल सूर्य ट्रायल में पास, असली सूरज से 20 गुणा ज्यादा गर्म

नई दिल्ली। सूरज का तापमान जिसे छूना तो दूर उसके पास जाने की सोचना भी नामुमकिन लगता है। हमारी धरती को जीवन देने वाले सूरज के कोर का तापमान लगभग 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस होता है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत के वैज्ञानिकों ने धरती के एक प्रयोगशाला के अंदर सूरज के केंद्र से भी 20 गुना ज्यादा तापमान पैदा कर दिखाया। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना है। 200 मिलियन डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा का तापमान। और अब भारत के इसी आर्टिफिशियल सन यानी कि न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर से जुड़ी हुई ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिक समुदाय में हलचल मचा दी। गुजरात के गांधीनगर में स्थित इंडियन इंस्टट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च यानी आईपीआर ने भारत के सबसे शक्तिशाली रिएक्टर एसएसटी वन मेक विशालकाय और बेहद एडवांस 82.6 गीगा एचजेड जाइट्रॉन को सफलतापूर्वक इंस्टॉल और इंटीग्रेट कर दिया है। अगर न्यूक्लियर फीज -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद में छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर बम से हमला

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के सलार थाना क्षेत्र में जुए के अड्डे पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर बम से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। रविवार रात खाड़ेरा गांव में हुई इस घटना में सलार थाने के एएसआई सादेक अली गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल बहरमपुर स्थित मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और सोमवार सुबह भी गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, खाड़ेरा गांव में रविवार रात जुए का अड्डा चलने की सूचना मिली थी। इसके बाद सलार थाने की पुलिस ने वहां अभियान चलाया। आरोप है कि पुलिस के पहुंचते ही जुए में शामिल लोग मौके से भागने लगे और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर लगातार बम फेंके गए। इसी दौरान एक बम की चपेट में आने से एएसआई सादेक अली गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल पुलिस अधिकारी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वहीं, बमबाजी की सूचना मिलते ही मुर्शिदाबाद पुलिस जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी रात में खाड़ेरा गांव पहुंचे। पुलिस ने आरोपितों की तलाश में इलाके में छापेमारी शुरू की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार सुबह भी खाड़ेरा गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बमबाजी में कौन-कौन लोग शामिल थे और पुलिस टीम पर हमले की साजिश के पीछे और कोई व्यक्ति था या नहीं।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

2,070 किलो संदिग्ध पोस्ता दाना जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम-मेघालय सीमा पर डिगोरखाल चेक प्वाइंट पर सोमवार को एक वाहन से 2,070 किलोग्राम संदिग्ध पोस्ता दाना बरामद किया गया। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को करीब शाम 4 बजे गुमराह पीआईसी के अंतर्गत डिगोरखाल चेक प्वाइंट पर वाहन संख्या एएस 01 वीसी 2850 को रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन से संदिग्ध पोस्ता दाना से भरे 69 बोरे बरामद किए गए। बताया गया है कि संदिग्ध पोस्ता दाने को पहचान से बचाने के लिए भारतीय तेजपत्ते के बोरों के भीतर छिपाकर रखा गया था। बरामद संदिग्ध पोस्ता दाने का कुल अनुमानित वजन 2,070 किलोग्राम है। मामले में ग्वालपाड़ा, असम निवासी बिपुल बोड़ो और अरुण बोड़ो को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया। संदिग्ध पोस्ता दाने के साथ वाहन को भी नियमानुसार जब्त कर लिया गया है। मामले की आगे जांच जारी है। जांच के दौरान बरामद सामग्री के स्रोत, गंतव्य, वाहन के स्वामित्व तथा परिवहन में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उधर विशेष सूचना के आधार पर असम-मेघालय सीमा पर डिगोरखाल चेक प्वाइंट पर आज एक वाहन को रोककर तलाशी लेने के दौरान 35.159 किलो संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने नलबाड़ी निवासी अरूप कलिता को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, पंजीकरण संख्या एएस 01 क्यूसी 4152 वाले वाहन को डिगोरखाल चेक प्वाइंट पर रोककर उसकी गहन तलाशी ली गई।

भारत के साथ रिश्तों में सुधार का संकेत

चीन ने एलएसी पर कम की सैनिकों की संख्या, अब 10 आर्म्स ब्रिगेड तैनात

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन ने 2025 में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर अपनी पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में काफी कमी की है। मंत्रालय ने कहा कि इस साल भारत की उत्तरी सीमाओं के सामने पीएलए की तैनाती में काफी कमी देखी गई। मंत्रालय के मुताबिक, एलएसी के साथ वाले इलाकों और पारंपरिक ट्रेनिंग एरिया में कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की 10 टुकड़ियां तैनात रहीं। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि एलएसी के सभी सेक्टरों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत, अच्छी स्थिति में और किसी भी अचानक पैदा होने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार रही। चीनी सैनिकों की तैनाती में यह कमी भारत और चीन के बीच बढ़ते राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य संपर्क के बीच आई है। मंत्रालय का कहना है कि इससे उत्तरी सीमाओं पर ज्यादा स्थिरता लाने में मदद मिली। इस साल भारत और चीन ने बातचीत के कई तरीकों को फिर से शुरू किया। वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन (डब्ल्यूएमसीसी) के 33वें और 34वें दौर की बैठकें क्रमशः मार्च और जुलाई 2025 में हुईं। सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी फिर से शुरू हुई, जिसके दौर दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुए। मंत्रालय ने कहा कि अगस्त 2025 में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में सुधार को और मजबूती मिली। सैन्य स्तर पर भी बातचीत जारी रही, जिसमें 25-26 अक्तूबर 2025 को पूर्वी लद्दाख में हुई 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि चिंता के मुद्दों को सुलझाने के लिए सभी सेक्टर में पीएलए के साथ बॉर्डर पर्सनल मीटिंग्स (सीमा पर अधिकारियों की बैठकें) सौहार्दपूर्ण और दोस्ताना माहौल में जारी हैं। ये ताजा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब विवादित सीमा पर कई सालों के तनाव के बाद भारत-चीन संबंधों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट से इतर 50 मिनट से ज्यादा समय तक द्विपक्षीय बैठक की। शी का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब दोनों देशों के पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का मौका है। शी ने कहा कि चीन भारत-चीन संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखता है और उन्होंने दोनों देशों से साझा विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। शी ने कहा कि जटिल अंतर्राष्ट्रीय माहौल में, जिसमें कई तरह के बदलाव और चुनौतियां शामिल हैं, दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों और ग्लोबल साउथ के अहम सदस्यों के तौर पर चीन और भारत की बड़ी जिम्मेदारियां हैं।

कोकराझाड़ विवि में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हिंदी दिवस

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ विश्वविद्यालय के एमएमबी ऑडिटोरियम हॉल में सोमवार को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। हिंदी भाषा के महत्व, उसके व्यापक प्रभाव तथा समाज में उसकी भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक,अधिकारि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गणेशचन्द्र वारी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अकादमिक रजिस्ट्रार डॉ. सिक्ना जॉन वारी, स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन डॉ. बिमल कांति बसुमातारी, असमिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार दास तथा अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आमन्त्रित वक्ताओं ने हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश की समृद्ध संस्कृति, साहित्य और सामाजिक एकता को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसके महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। हिंदी विभाग के प्राध्यापक जयंत कुमार बोड़ो ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा समाज को संवेदनशील और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हिंदी कविता, गीत एवं नृत्य सहित हिंदी भाषा के महत्व पर अपने अपने विचार भी साझा किए, जिससे समारोह में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के असमिया विभाग के विभागाध्यक्ष तथा भाषा विभागों के डीन डॉ. हेमंत कुमार दास ने भी हिंदी दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में रुचि बढ़ाने तथा भाषाई विविधता के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कस्तूरी चक्रवर्ती, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग के द्वारा किया गया। अंत में हिंदी विभाग की ओर से प्रध्यापक उदिंती बसुमतारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। हिंदी दिवस समारोह ने विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ भारतीय भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता की भावना को भी मजबूत किया है।

हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकार : मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित पांच कालीदास मार्ग सरकारी आवास पर *जनता दर्शन* में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ अधिकारी कठोर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री *जनता दर्शन* में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए और उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त नहीं होगी। हर मामले में दोषियों पर नियमसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने *जनता दर्शन* में अभिभावकों के साथ आए नन्हे-मुन्नों का हालचाल जाना। उनकी पढ़ाई और उनकी रुचि के बारे में भी पूछा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ो और अन्य गतिविधियों (खेल, संगीत, कला आदि) में भी हिस्सा लो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

यॉट पार्टी में मौजूद थे लेकिन जुबीन की तबीयत खराब होने की जानकारी नहीं थी : प्रवासी असमिया

गुवाहाटी (हिंस)। यॉट पार्टी में गायक जुबीन गर्ग के साथ मौजूद रहे प्रवासी असमिया प्रतीम लहकर ने आज कहा कि उन्हें उस समय जुबीन गर्ग के अस्वस्थ होने की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें जुबिन की तबीयत खराब होने के बारे में पता होता तो वह उन्हें पानी में उतरने से रोक देते। प्रतीम लहकर ने कहा कि मैं यॉट पर मौजूद था, हालांकि मुझे जुबीन गर्ग के अस्वस्थ होने की जानकारी नहीं थी। अगर मुझे इस बारे में पता होता तो मैं उन्हें पानी में उतरने से रोक देता। उन्होंने यह भी कहा कि जुबीन गर्ग को शुरुआती अवस्था में ही सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के कैडर और वसूलीकर्ता गिरफ्तार

हेरोइन व नशीली कैप्सूल बरामद

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े कई सक्रिय कैडरों और कथित वसूलीकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इस दौरान मादक पदार्थ भी बरामद किए गए। असम राइफल्स से मिली सूचना के आधार पर सीडीओ-इंफाल पश्चिम की टीम ने मोइदांगपोक इलाके में अभियान चलाकर केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर 26 वर्षीय थांगजाम सनातोम्बा सिंह उर्फ थेम्बुंग को गिरफ्तार किया। वह मोइदांगपोक माखा लीकाई का रहने वाला है। एक अन्य अभियान में सीडीओ-इंफाल पश्चिम ने तकीयेल खोंगबल लैराक अचौबा इलाके में तलाशी अभियान चलाकर केसीपी (अपुनबा) के सक्रिय सदस्य 26 वर्षीय संजेनबाम अल्बर्ट मैतेई उर्फ लुखोई को उसके आवास से गिरफ्तार किया। उस पर वसूली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पटसोई यूनिक-खोंग बाजार इलाके में चलाए गए अभियान में पीआरई-पीएके (पीआरओ) के सदस्य 48 वर्षीय खोंगबंतबाम इनाओ सिंह उर्फ इबोयाइमा को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 18,500 नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इधर, लिलोंग थाना और सीडीओ-थौबल की संयुक्त टीम ने लिलोंग उसोइपोकपी से बीबी लेइहान (66) और मोहम्मद फारूक (40) को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 182 एसपी कैप्सूल तथा कुल 133 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसमें 12 ग्राम हेरोइन एक साबुनदानी में और 121 ग्राम हेरोइन 91 प्लास्टिक शीशियों में रखी हुई थी। एक अन्य संयुक्त अभियान में सीडीओ-इंफाल पूर्व और 31 असम राइफल्स ने फाकनुंग, इंफाल पूर्व से केसीपी (अपुनबा) के दो कथित वसूलीकर्ताओं को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सेक्टा मायाई लीकाई निवासी फिजाम चिंगतम मैतेई (22) और हिजाम नानाओ मैतेई उर्फ अकानाओ (25) के रूप में हुई है। संबंधित मामलों में पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पृष्ठ एक का शेष

गुवाहाटी घोषणा को ...

महत्व मिलता है। उन्होंने कहा कि असम के लिए यह मान्यता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पूर्वोत्तर में एक महत्वपूर्ण मादक पदार्थों की तस्करी गलियारे पर स्थित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क से निपटने के लिए प्रवर्तन को मजबूत करने, खुफिया जानकारी साझा करने और समन्वित कार्रवाई में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने ब्रिक्स देशों के बीच परिचालन और तकनीकी सहयोग पर बढ़ते ध्यान का भी स्वागत किया और कहा कि मजबूत अंतर्राष्ट्रीय समन्वय मादक पदार्थों के नेटवर्क को बाधित करने और युवाओं की रक्षा करने के लिए अधिक प्रभावी तंत्र विकसित करने में मदद करेगा। शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी घोषणा को मान्यता मिलना असम की उन मुद्दों पर चर्चा में योगदान देने की क्षमता को भी दर्शाता है जो उसकी सीमाओं से परे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत में अपनी स्थिति से, हम एक सुरक्षित क्षेत्र के निर्माण में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहे हैं। शर्मा ने इस मान्यता को गुवाहाटी और असम के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ राज्य के स्थानीय प्रयासों को अब वैश्विक मंच पर मान्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस विकास से एक मजबूत, सुरक्षित और अधिक संरक्षित राज्य बनाने के असम के संकल्प को और बल मिलेगा।

डीसी सम्मेलन : पॉलिसी में ...

राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर ध्यान दिया जाएगा। शर्मा ने कहा कि प्रशासन को ज्यादा जवाबदेह और लोगों पर केंद्रित बनाने पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन में मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा और मंत्री अजंता नियोग, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्ला बरुआ, केशव महंत, अतुल बोरा और हजारिका के साथ-साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और नौकरशाह शामिल हो रहे हैं। नगांव और मोरीगांव के डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे हैं क्योंकि वे आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव की तैयारियों में व्यस्त हैं। बाकी सभी जिलों के डीसी इसमें भाग ले रहे हैं। यह सम्मेलन 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद असम सरकार के नए कार्यकाल का पहला डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर्स सम्मेलन है। शर्मा अभी जोरहाट के तीन दिवसीय दौरे पर हैं, जहाँ वे विकास और प्रशासनिक प्राथमिकताओं की समीक्षा कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह सम्मेलन सरकार के विकास एजेंडे को जिला स्तर पर लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार करेगा, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, पब्लिक सर्विस और योजनाओं को लागू करने के साथ-साथ पॉलिसी प्राथमिकताओं और प्रशासनिक सुधारों पर भी चर्चा की जाएगी।

अल्फा-आई के सीनियर...

से प्रतिबंधित संगठन और कमजोर हो सकता है। सुरक्षा बल इस विद्रोही समूह से जुड़े कैडरों और युवाओं को मुख्यधारा में लौटने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि कैडरों का मुख्यधारा में लौटना सुरक्षा बलों और इलाके में शांति और स्थिरता के लिए काम कर रही एजेंसियों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। तिनसुकिया पुलिस ने अनोलजॉय से उसकी गतिविधियों और संगठन के साथ उसके संबंधों के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए पूछताछ शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने नगांव उपचुनाव ...

एक लंबी बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद हुई है। दिनभर चली बैठक के बाद बघेल ने कहा कि नगांव उपचुनाव जीतना कांग्रेस के लिए *प्रतिष्ठा का मामला* है। बोरा के नामांकन के साथ, उपचुनाव कांग्रेस, भाजपा, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एयूआईडीएफ) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच चार-कोणीय मुकाबले में तब्दील हो गया है। एआईयूडीएफ ने 13 अगस्त को सबसे पहले अपने उम्मीदवार की घोषणा करते हुए रेजाउल करीम सरकार का नाम लिया। हालांकि बाद में ऐसी खबरें आईं कि पार्टी प्रमुख बदरुद्दीन अजमल सरकार की जगह ले सकते हैं, लेकिन अंततः पार्टी ने सरकार को ही अपना उम्मीदवार बनाए रखा। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद टीएमसी ने चुनाव में प्रवेश किया और ढिंग कॉलेज के उप-प्रधानाचार्य प्रोफेसर अब्दुल सलाम को अपना उम्मीदवार नामित किया। भाजपा ने पूर्व नगांव उपायुक्त देवाशीष शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। अब जब चारों प्रमुख दावेदार मैदान में उतर चुके हैं, तो 16 सितंबर की नामांकन तिथि से पहले नगांव उपचुनाव एक बेहद चर्चित मुकाबले के रूप में उभर कर सामने आया है।

हिंदी की प्रगति के लिए ...

कहा कि हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हिंदी को किसी एक भाषा के प्रतिनिधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे भारत की विभिन्न भाषाओं और राष्ट्रीय एकता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में समझने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजराती उनकी मातृभाषा है, लेकिन हिंदी उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से सीधे जुड़ने में मदद करती है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने के साथ दुनिया से सीखने का आह्वान किया। साथ ही माता-पिता से बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में संवाद करने की अपील की। शाह ने कहा कि भाषा ही वह माध्यम है जो हमें हमारी मातृभूमि, हमारी मिट्टी, हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति से जोड़ती है। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

पुलिस एनकाउंटर में मारा ...

कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उसने अपनी पत्नी के कटे हुए सिर को फ्रिज के अंदर रख दिया था। रामानुज पेशे से एक कैब ड्राइवर था और यह दंपत्ति गुवाहाटी के बेलटोला स्थित वशिष्ठपुर इलाके के एक फ्लैट में रह रहा था। इस जघन्य हत्याकांड के तीन दिन बाद, 6 सितंबर की रात को रामानुज ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसी रात पुलिस ने फ्लैट पर जाकर महिला का धड़ और कटा हुआ सिर भी बरामद कर लिया था। पुलिस हिरासत के दौरान 8 सितंबर को जब रामानुज को मेडिकल जांच के लिए ले जाया जा रहा था, तब उसने मीडिया के सामने बेहद चौंकाने वाला बयान दिया था। उसने बेखौफ होकर कहा था कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और वह इसके लिए माफी नहीं मांगेगा। इतना ही नहीं, उसने खुलेआम धमकी दी थी कि अगर वह जेल से बाहर आया, तो उस शुगर डैडी को भी जान से मार देगा। सूत्रों की मानें तो रामानुज को नशे की भी लत थी और गुवाहाटी के बाहरी इलाके में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में उसका कई बार इलाज भी चला था।

पिता ने कहा कि...

कहा कि यदि सरकार उनके बेटे का शव उनके घर भेज देती है तो वह शव को स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार रामानुज का शव मेरे घर भेज देती है तो मैं ले लूंगा। पुलिस के अनुसार, रामानुज को पत्नी की कथित हत्या के मामले में पिछले सात दिनों से पुलिस हिरासत में रखा गया था। सोमवार तड़के चिकित्सकीय जांच के लिए उसे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया जा रहा था। इसी दौरान नरकासुर पहाड़ क्षेत्र में उसने कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने गोली चलाई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीएमसीएच में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भारत ने 31 दिसंबर ...

माध्यम से 54 मेगावाट तक बिजली भेजी जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2027 से बिजली निर्यात की मात्रा और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। इससे नेपाल की बिजली जरूरतों और उपलब्धता के आधार पर आगे की व्यवस्था तय करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि हाल में नेपाल में आई भीषण बाढ़ से जलविद्युत अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ और देश में बिजली संकट गहरा गया। ऐसे समय में भारत से अतिरिक्त बिजली आपूर्ति नेपाल की तत्काल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय संकट की स्थिति में नेपाल को आवश्यक ऊर्जा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच भरोसेमंद और दीर्घकालिक ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग तथा पड़ोसी देश को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

एआई को समझे ...

प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू व अन्य मीडिया के अनुसार, केरल के कोझिकोड में रविवार को एक पुरस्कार समारोह में अनवर इब्राहिम ने कहा कि ज्ञान के बिना हम असफल हो जाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को समझे बिना हम गुलाम बन जाएंगे। उन्होंने करंतूर स्थित मरकजु सकफ़थी सुन्निय्या में शेख अबूबकर फाउंडेशन की ओर से दिए गए पहले *एक्सीलेंस अवॉर्ड* को स्वीकार करने के बाद यह बात कही। गौरतलब है कि, अनवर इब्राहिम नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद केरल पहुंचे थे। कोझिकोड में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने एआई और आधुनिक तकनीक के दौर में मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, विशेषज्ञता और नैतिक मूल्यों के बीच संतुलन को महत्वपूर्ण बताया। अनवर इब्राहिम ने कहा कि धार्मिक विद्वानों को मौजूदा दौर की नई वास्तविकताओं और चुनौतियों को समझना होगा। इनमें आधुनिक तकनीक, नए वैज्ञानिक विकास, डिजिटल बदलाव और एआई प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को तकनीकी ज्ञान और विशेषज्ञता हासिल करने की जरूरत है, लेकिन तकनीकी विकास आस्था और नैतिक मूल्यों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि नई तकनीकों के साथ ऐसे विचार और मूल्य भी आ सकते हैं, जो धार्मिक आस्था और नैतिकता को कमजोर कर सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मुस्लिम समाज तकनीक को केवल अपनाए ही नहीं, बल्कि उसे समझे और उसके विकास में अपनी भूमिका भी निभाए। अनवर ने कहा कि दुनिया भर में टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री से जुड़े प्रमुख लोग एआई के संभावित जोखिमों पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन मुस्लिम विद्वानों और समुदायों के बीच इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मुस्लिम समाज से एआई के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और तकनीकी बदलावों को समझने की अपील की। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि तकनीकी प्रगति ज्ञान, नैतिकता और धार्मिक मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए। मलेशियाई प्रधानमंत्री को भारत के प्रमुख सुन्नी विद्वान कांतपुरम एपी अबूबकर मुसलियार ने एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किया।

एनसीपीआई के 20 में ...

यह दावा किया। बसुनिया ने कहा कि मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान, बहरामपुर से यूसुफ पठान और जंगीपुर से खलीलुर रहमान सीधे भाजपा में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, ये तीनों सांसद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ बने रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि शेष 17 सांसद दुर्गा पूजा से पहले या उसके तुरंत बाद एनसीपीआई छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे। बसुनिया के मुताबिक, दो-तिहाई सांसदों के किसी दल में विलय के लिए 14 सांसदों की जरूरत होती है, जबकि उनके खेमे में 17 सांसद हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बसुनिया ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले से जुड़े तीनों सांसद अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उनके लिए सीधे भाजपा में शामिल होने में व्यावहारिक दिक्कतें हैं। हालांकि, वे राजग का हिस्सा बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद उसके 20 लोकसभा सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया गया है। ये सांसद राजग का भी हिस्सा बनने की बात कही गई है। इन 20 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उन्हें एनसीपीआई के लोकसभा सदस्यों के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। हालांकि, अभी तक लोकसभा अध्यक्ष की ओर से इस संबंध में कोई मान्यता नहीं दी गई है। लोकसभा के आधिकारिक रिकॉर्ड में ये सांसद अब भी तृणमूल कांग्रेस के सदस्य के रूप में दर्ज हैं। ऐसे में बसुनिया के ताजा दावे से पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। यदि 17 सांसद भाजपा में शामिल होते हैं, तो इससे राज्य में भाजपा और राजग की संसदीय ताकत में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है।

भारत ने रचा इतिहास...

की हम बात करें तो भारत इस क्षेत्र में पहले ही बहुत मजबूत है। देश भर में 24 से ज्यादा एक्टिव और ऑपरेशनल न्यूक्लियर पावर रिएक्टर्स दिनरा बिजली पैदा कर रहे हैं। लेकिन फ्यूजन तकनीक की अपनी कुछ सीमाएं भी हैं। इसमें यूरेनियम और प्लूटेनियम जैसे बेहद दुर्लभ, खतरनाक और महंगे रेडियोएक्टिव तत्वों की जरूरत होती है। इससे निकलने वाला रेडियोएक्टिव कचरा यानी कि न्यूक्लियर वेस्ट हजारों सालों तक पर्यावरण के लिए खतरा बना रहता है और इसमें हमेशा एक अनियंत्रित चेन रिएक्शन या बड़े न्यूक्लियर एक्सीडेंट का हल्का सा जोखिम बना रहता है। और यहीं पर भविष्य की सबसे क्रांतिकारी तकनीक सामने आती है न्यूक्लियर फ्यूज। फ्यूजन वही प्रक्रिया है जो हमारे ब्रह्मांड के सभी तारों और सूरज के अंदर पिछले 4.6 अरब सालों से लगातार चल रही है। इसमें हल्के परमाणु जैसे कि हाइड्रोजन या ड्यूटोरियम आपस में मिलकर भारी परमाणु हीलियम बनाते हैं। और इस प्रक्रिया में जो ऊर्जा निकलती है वो मानवीय कल्पना से बहुत परे है। सरल शब्दों में समझे तो यह कोई साधारण हीटर या माइक्रोवेव नहीं है। हमारे घरों में जो माइक्रोवेव ओवन होता है वो 2.45 गीगाएचजेड की फ्रीक्वेंसी पर काम करता है। लेकिन ये जायरोट्रोन 82.6 तएचजेड की मिलीमीटर वेव फ्रीक्वेंसी पैदा करता है। यह काम कैसे करता है? तो इलेक्ट्रॉन बीम जनरेशन पर यह काम करता है। जेरेट्रॉन के अंदर हाई वोल्टेज गन के जरिए इलेक्ट्रॉनों की एक बेहद सघन बीम बनाई जाती है। उसके बाद जाइरेशन। जब ये इलेक्ट्रॉन एक अत्यधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र से गुजरते हैं तो मैग्नेटिक फोर्स उन्हें सीधी रेखा में जाने के बजाय प्रकाश की गति के करीब तेजी से गोल-गोल यानी कि जेरेट की तरह घुमाने लगती है और इसके बाद एनर्जी ट्रांसफर होता है। जैसे ही इलेक्ट्रॉन तेजी से घूमते हैं, वे अपनी काइनेटिक एनर्जी को हाई पावर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन में बदल देते हैं। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारत धीरे-धीरे लेकिन लगातार फ्यूजन प्रौद्योगिकी में महारत हासिल कर रहा है। एसएसटी-1 जैसे प्रयोगों से मिले अनुभव भविष्य में बड़े रिएक्टर बनाने में काम आएंगे। वैज्ञानिकों को प्लाज्मा को और लंबे समय तक स्थिर रखने तथा ऊर्जा उत्पादन के करीब पहुंचने के लिए और कई तकनीकी बाधाएं पार करनी होंगी। फिर भी नया जाइरोट्रॉन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

दक्षिण अफ्रीका में ...

बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) और स्थानीय मीडिया के अनुसार, रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉरपोरेशन (आरटीएमसी) ने बताया कि रविवार की रात हुए हादसे में 21 लोगों को जानलेवा चोटें आईं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, दुर्घटना रात करीब 9:30 बजे हुई, जिसके बाद हाईवे को बंद करना पड़ा। पुलिस ने हादसे के संबंध में गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कई अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना केप टाउन से करीब 380 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हुई। दक्षिण अफ्रीका में विकसित सड़क नेटवर्क होने के बावजूद सड़क हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, खराब हालत वाले वाहन और सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। आरटीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में दक्षिण अफ्रीका में सड़क दुर्घटनाओं में 11,485 लोगों की मौत हुई थी। यह संख्या 2024 की तुलना में पांच प्रतिशत से भी कम घटी थी। मृतकों में सबसे अधिक संख्या पैदल यात्रियों की थी।

गंगा नदी में पलटी...

गया। अब शिशु की हालत स्थिर और सामान्य बताई जा रही है। यह घटना रविवार शाम को हुई, जब बॉर्डर आउट पोस्ट खंडुआ के पास तैनात बीएसएफ जवानों ने देखा कि कई लोग नदी की तेज लहरों में संघर्ष कर रहे थे और उनके डूबने का खतरा था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, जवानों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और स्पीड बोट से घटनास्थल पर पहुंचे। लगातार और दृढ़ बचाव प्रयासों के बाद, बीएसएफ जवानों ने सभी 10 लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। बचाए गए लोगों ने बीएसएफ को बताया कि वे बांग्लादेश के जोहारपुर गांव के रहने वाले हैं और चपाई नवाबगंज से जोहारपुर जा रहे थे। पद्मा (गंगा) नदी पार करते समय उनकी नाव अचानक पलट गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग नदी में गिर गए। तेज बहाव के कारण वे भारतीय सीमा की ओर बह गए। बीएसएफ ने सभी जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद सभी 10 बांग्लादेशी नागरिकों को 53 बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को सुरक्षित सौंप दिया।

गोपीराम बरगायन बूढ़ाभकत के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को माजुली के उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के प्रख्यात सत्रिया साधक एवं पद्मश्री से सम्मानित गोपीराम बरगायन बूढ़ाभकत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि माजुली की पवित्र भूमि पर सत्रिया संस्कृति की साधना में अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले महान साधक के वैकुंठ गमन का समाचार उन्हें गहरे रूप से मर्माहत कर गया। उन्होंने कहा कि सत्रिया संस्कृति और बरगीत की साधना के माध्यम से गोपीराम बरगायन बुढ़ाभकत ने असम की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि शंकरदेव की परंपरा के इस महान साधक को पद्मश्री और साहित्य अकादमी सहित विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया था। उनके निधन को उन्होंने असम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति बताया। शर्मा ने शोक संतप्त परिवार, शिष्यों-प्रशिष्यों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने दिवंगत साधक के अंतिम संस्कार को राजकीय सम्मान के साथ संपन्न करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिरशांति के लिए भगवान के श्रीचरणों में प्रार्थना की और महान साधक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

नगांव उपचुनाव में भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, संगठन की एकजुटता का किया दावा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज करते हुए दावा किया है कि पार्टी पूरी संगठनात्मक ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है, जबकि कांग्रेस आंतरिक गुटबाजी और लॉबी की राजनीति में उलझी हुई है। भाजपा के नामित उम्मीदवार और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी देवाशीष शर्मा 16 सितंबर को नगांव सदर में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी के अनुसार, इस मौके पर नगांव और मोरीगांव जिलों से करीब 50 हजार भाजपा कार्यकर्ता नगांव शहर के डॉसन हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में एकत्र होंगे और वहां से एक विशाल जुलूस के रूप में रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय तक पहुंचेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया, असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका और जयंत मल्ल बरुवा सहित दोनों जिलों के सभी एनडीए विधायक तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। भाजपा ने बताया कि बूथ, मंडल और विभिन्न मोर्चों के स्तर पर चुनावी गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। प्रदेश भाजपा मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली ने सोमवार को अटल बिहारी वाजपेयी भवन में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा जहां पूरी संगठनात्मक शक्ति के साथ चुनाव की तैयारी कर रही है, वहीं कांग्रेस में उम्मीदवार घोषित होने के बाद भी आंतरिक मतभेद समाप्त नहीं हुए हैं। तामुली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में गुटीय हित, नेताओं के बीच अविश्वास और एक-दूसरे को राजनीतिक रूप से पीछे छोड़ने की होड़ जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का अभियान केवल उम्मीदवार पर निर्भर नहीं है, बल्कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और पार्टी के मजबूत संगठन की सामूहिक ताकत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि भाजपा युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और चाय जनजाति मोर्चा अपने-अपने स्तर पर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि नगांव लोकसभा उपचुनाव केवल दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह मजबूत और एकजुट संगठन तथा बिखरे हुए संगठन के बीच निर्णायक चुनावी लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस और एआईयूडीएफ को हराने तथा देवाशीष शर्मा की बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ एकजुट होकर मैदान में उतर चुके हैं। तामुली ने विश्वास जताया कि नगांव लोकसभा क्षेत्र के मतदाता कांग्रेस की कथित गुटबाजी और लॉबी की राजनीति को खारिज कर भाजपा की एकजुट एवं विकासोन्मुख राजनीति के पक्ष में निर्णायक जनादेश देंगे।

तामुलपुर में मृदा संरक्षण की दो महत्वपूर्ण पहल

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिले में आपदा न्यूनीकरण, मृदा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सोमवार को दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। असम सरकार के मृदा संरक्षण विभाग एवं बक्सा मृदा संरक्षण प्रमंडल के तत्वावधान में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्र के मटिगांव में एसडीएमएफ 2025-26 योजना के तहत लगभग 2.25 करोड़ रुपए की लागत वाली जैव-अभियांत्रिकी आधारित परियोजना का शिलान्यास किया गया। परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में बाढ़, मृदा कटाव एवं भूस्खलन के प्रतिकूल प्रभाव को कम करना है। नंबर-2 कौली प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गोरेश्वर के विधायक विक्टर कुमार दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आधुनिक जैव-अभियांत्रिकी तकनीक पर आधारित यह परियोजना मटिगांव के साथ-साथ नाग्रीजुली परिषद क्षेत्र और आसपास के इलाकों में लंबे समय से चली आ रही बाढ़ एवं कटाव की समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बीटीसी के कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के साथ-साथ पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) की कार्यकारी सदस्य लक्ष्मी दास ने परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं दीर्घकालिक रखरखाव के लिए स्थानीय समुदाय के सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में तामुलपुर की अतिरिक्त जिला आयुक्त हेमाश्री खानिकार, विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इसी क्रम में कुमारीकाटा के निकट अंगारकाटा ढेकियाबस्ती स्थित मृदा संरक्षण विभाग की नर्सरी में डबल्यूडीसी-बीएमकेएसवाई 2.0 योजना के तहत विशेष पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ आपदा न्यूनीकरण एवं मृदा कटाव नियंत्रण को मजबूत करना था। कार्यक्रम में आम, हरितकी, भोमरा एवं कृष्णचूड़ा सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों तथा कटाव नियंत्रण के लिए उपयोगी विशेष किस्म की बिरिना घास का वितरण किया गया। बीटीसी कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय ने मुख्य अतिथि के रूप में पौधों एवं बिरिना घास के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नदी किनारे एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में वैज्ञानिक तरीके से बिरिना घास और उपयुक्त वृक्ष प्रजातियों का रोपण मृदा कटाव को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित हो सकता है।

हिंदी दिवस पर मुख्यमंत्री शर्मा ने हिंदी की समृद्ध परंपरा को किया नमन्

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा की समृद्ध साहित्यिक परंपरा और भारतीय समाज में उसके योगदान को नमन् किया। सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी की खूबसूरती इस बात में निहित है कि इसमें कबीर की निर्भीकता, तुलसीदास की भक्ति, मुंशी प्रेमचंद की संवेदनशीलता और रामधारी सिंह दिनकर की हुंकार एक साथ दिखाई देती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि समय के साथ हिंदी ने भारत के बदलते समाज, विचारों और जीवन को अपनी अभिव्यक्ति दी है। उन्होंने हिंदी की इस जीवंत और समृद्ध परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

शोणितपुर में सेवा संकल्प अभियान और स्वच्छता ही सेवा-2026 की जिला स्तरीय समन्वय बैठक

शोणितपुर (हिंस)। आगामी सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)-2026 अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज शोणितपुर जिला आयुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल-द्वय में जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शोणितपुर जिला विकास आयुक्त संजीव कुमार शर्मा ने की। बैठक में शोणितपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयंत कुमार बोरा, अतिरिक्त जिला आयुक्त डॉ. मयूर पांखी बोरा, विभिन्न नगर निकायों के कार्यपालक अधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख तथा जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा, विभागों के बीच समन्वय तथा अधिकारियों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। असम सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार एक माह तक चलने वाला यह अभियान आम नागरिकों तक सरकारी सेवाओं की अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने, नागरिक-केंद्रित शासन, कमजोर वर्गों के कल्याण तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्यान्वयन पर केंद्रित रहेगा। अभियान के 17 सितंबर को शुभारंभ के अवसर पर *आशीर्वाद का दीया* पहल पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे, जो कृतज्ञता और जन आशीर्वाद का प्रतीक होगा। बैठक में स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)-2026 अभियान को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। यह अभियान भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक पूरे एक महीने चलेगा। 17 सितंबर को अभियान के शुभारंभ के अवसर पर नागरिकों से अपने घरों की साफ-सफाई कर दीप जलाने और स्वच्छ जीवनशैली के संकल्प की शुरुआत करने का आह्वान किया गया। एसएचएस-2026 अभियान के पांच प्रमुख स्तंभों में स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) एवं सार्वजनिक स्थलों का कायाकल्प, स्वच्छ पाठशाला, सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर, स्वच्छता के लिए जनभागीदारी तथा स्वच्छता से समृद्धि शामिल हैं। बैठक में सीटीयू एवं कचरा संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी) की पहचान एवं कायाकल्प, स्थलों के सौंदर्यीकरण, नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं सामुदायिक हितधारकों को अभियान से जोड़ने तथा अभियान से संबंधित गतिविधियों की समय पर रिपोर्टिंग सहित विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई।

होजाई में गोर्खा महिला समाज ने धूमधाम से मनाया हरितालिका तीज पर्व

होजाई (विभास)। वृहत्तर होजाई क्षेत्र में रहने वाली नेपाली भाषी गोरखा माताओं और बहनों ने हर्षोल्लास के साथ पवित्र तीज उत्सव मनाया। इस पारंपरिक त्योहार के अवसर पर परिवार की विवाहित बेटियों को उनके मायके (मातृगृह) लाया जाता है। भाद्रपद शुक्ल द्वितीया तिथि के दिन दर *खाने* परंपरा के अनुसार विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए। मायके आई बेटियों और परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर यह भोजन ग्रहण किया तथा आस-पड़ोस के लोगों के साथ एकत्र होकर तीज के गीत गाए और नृत्य कर खुशियां मनाईं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन महिलाओं ने पवित्र जलाशयों और नदियों में स्नान कर अपने पति तथा परिवार की मंगल कामना के लिए निर्जला (बिना पानी के) कठोर व्रत रखा। इसी परंपरा का पालन करते हुए होजाई के गोरखा महिला समाज ने श्री सत्यनारायण मंदिर में एकत्र होकर भगवान महादेव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना संपन्न की। भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से शुरू हुआ यह उत्सव भाद्रपद शुक्ल पंचमी यानी *ऋषि पंचमी* के दिन सप्तर्षि पूजा के साथ संपन्न होगा। ।

एसएसबी की प्रथम वाहिनी में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी मुख्यालय में सोमवार को हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन और उप कमांडेंट वीरेंद्र सिंह मेहरा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप कमांडेंट वीरेंद्र सिंह मेहरा ने एसएसबी मुख्यालय, नई दिल्ली के महानिदेशक का संदेश पढ़कर बल कार्मिकों को संबोधित किया। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देते हुए अधिकारियों और जवानों से पत्राचार, टिप्पणियों, रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों में हिंदी का इस्तेमाल बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल राजभाषा नहीं, बल्कि देश की विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है। उन्होंने सभी कार्मिकों से हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। हिंदी पखवाड़े के दौरान वाहिनी में राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें अधिक से अधिक बल कार्मिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

कवि शिरोमणि नीलमणि फूकन का जन्मदिवस *नतूनर दिन* के रूप में मनाया गया

होजाई (विभास)। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के असमीया विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि नीलमणि फूकन का जन्मदिवस *नतूनर दिन* (नए दिन) के रूप में गत दिनों में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. बीणा सैकिया द्वारा कवि नीलमणि फूकन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इसके बाद छात्राओं की गुरु वंदना से कार्यक्रम आगे बढ़ा। विभाग के सहायक प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को कवि फूकन की काव्यशैली, विविध पहलुओं और उनकी कविताओं की विषय-वस्तु से अवगत कराया। समारोह में प्राध्यापकों ने नीलमणि फूकन की कविताओं का पाठ किया और डॉ. रिणिखा देवी ने उन पर केंद्रित अपनी एक स्वरचित अंग्रेजी कविता पढ़ी।

विभागाध्यक्ष डॉ. बीणा सैकिया ने दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को कवि की आत्मकथा *पाति सोणारुर फूल* और *पाउरीब नोवारिलो जि* पढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी कविता पाठ, काव्य पाठ और गीत-नृत्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में उत्साह भरा। अंत में असम के राज्य गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कोकराझाड़ में हर्षोल्ला के साथ मना हरितालिका तीज

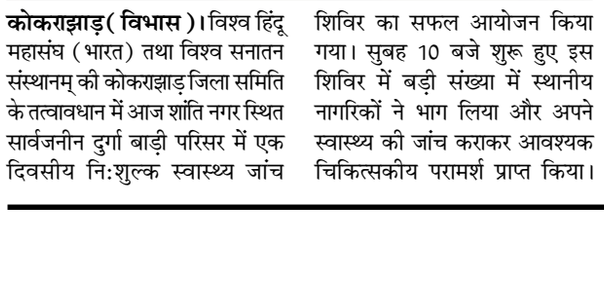

कोकराझाड़ (विभास)। देश के अन्य हिस्सों की तरह कोकराझाड़ जिले में भी हरितालिका तीज का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। जिले के कोकराझाड़ शहर सहित फकीराग्राम, गोसाईगांव और सालाकाटि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर यह व्रत रखा। पर्व के अवसर पर महिलाओं ने दिनभर निर्जला उपवास रखकर पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए कठिन साधना की। शाम होते ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों और 16 श्रृंगार में सज-धजकर नजदीकी शिवालयों और मंदिरों में पहुंचीं। मंदिरों में भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई, कथा सुनी गई और आरती के बाद सुखद दांपत्य जीवन की प्रार्थना की गई। पूजा स्थलों पर दिन ढलते ही श्रद्धालुओं की खासी चहल-पहल देखी गई।

पूर्व सैनिकों के कल्याण पर राज्य स्तरीय समिति की 49वीं बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को दिसपुर स्थित नाबार्ड परिसर के सम्मेलन कक्ष में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के प्रशासन तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास से संबंधित राज्य प्रबंध समिति की 49वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। इसमें पुनर्वास, शिकायतों के समयबद्ध निपटारे तथा कल्याणकारी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि असम का इतिहास वीरता और देशभक्ति की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा है। वीर लाचित बरफूकन से लेकर परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र से सम्मानित वीर सैनिकों तक राज्य ने देश के लिए महान योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की जिम्मेदारी है कि किसी शहीद परिवार, पूर्व सैनिक या वीर नारी को उपेक्षित अथवा असहाय महसूस न करना पड़े। आचार्य ने असम के सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा ब्रिगेडियर पोलाश चौधरी (सेवानिवृत्त) के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सात आकांक्षी जिलों में विकास परियोजनाओं में पूर्व सैनिकों के अनुभव और पेशेवर दक्षता के उपयोग की पहल की प्रशंसा करते हुए इसे राज्य के सभी जिलों में विस्तार देने का आह्वान किया। उन्होंने 14 यूपीएससी योग्य अभ्यर्थियों के लिए नि:शुल्क एसएसबी प्रशिक्षण, सिलचर में 190 युवाओं के लिए पूर्व-भर्ती प्रशिक्षण तथा सैनिक स्कूल गोलाघाट और सैन्य विद्यालयों में प्रवेश के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी सराहना की। राज्यपाल ने पिछले एक वर्ष में 60 से अधिक पूर्व सैनिक रैलियों के आयोजन और *जन सुनवाई* व्यवस्था को संस्थागत रूप देने की पहल का स्वागत किया। उन्होंने प्रस्तावित *सैनिक संवाद* टैब शुरू करने पर भी जोर दिया और पूर्व सैनिकों की शिकायतों के सरल एवं त्वरित समाधान के लिए संवेदनशील व्यवस्था विकसित करने की बात कही। उन्होंने दीघलीपुखुरी स्थित राज्य युद्ध स्मारक में निर्मित *हट ऑफ रिमेंबरेंस* तथा एनएफ रेलवे के सहयोग से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर असम के चक्र श्रेणी के वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के चित्र और उनकी वीर गाथाएं स्थायी रूप से प्रदर्शित करने की पहल की भी सराहना की। डिजिटल शासन के महत्व को रेखांकित करते हुए आचार्य ने *ई-प्रस्तुति* वेब पोर्टल की शुरुआत की सराहना की। उन्होंने पोर्टल को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के बीच इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष सैनिकों और समाज के बीच विश्वास, सम्मान और कृतज्ञता का सेतु है।

रंगिया के होटल अतिथि में सनसनीखेज हत्याकांड : पुलिस हिरासत में आरोपी

रंगिया (विभास)। रंगिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक गेस्ट हाउस (अतिथि होटल) में हुई युवती की जघन्य हत्या के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस टीम आरोपी अभिजीत कुंडू को दोबारा रिमांड पर लेकर घटनास्थल पर पहुंची और *क्राइम सीन री-क्रिएशन* (घटना का नाट्य रूपांतरण) कराया। इस दौरान आरोपी ने पूरी वारदात को किस तरह अंजाम दिया, उसका पूरा विवरण पुलिस के समक्ष दोहराया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गत 12 सितंबर की शाम करीब 6 बजे आरोपी अभिजीत की प्रेमिका मालिनी गुरिया चेन्नई से आकर रंगिया पहुंची थी। रंगिया स्टेशन के सामने स्थित *अतिथि होटल* में अभिजीत ने कमरा नंबर 10 और 11 बुक कराए थे। कमरा नंबर 11 में मालिनी के साथ तीन अन्य युवतियां रुकी थीं, जबकि देर रात करीब 12 बजे अभिजीत, मालिनी को अपने कमरे (कमरा नंबर 10) में ले गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोनों ने रात में एक साथ खाना (बिरयानी) खाया। भोजन के बाद दोनों के बीच किसी तीसरे व्यक्ति को लेकर तीखी बहस और झगड़ा शुरू हो गया। विवाद शांत होने के बाद मालिनी बिस्तर पर सो गई। इसी दौरान आरोपी ने बैग में पहले से रखे कैंची और स्क्रू-ड्राइवर निकाले और सो रही मालिनी के मुंह पर कपड़ा ठूंस दिया ताकि वह चिल्ला न सके। इसके बाद उसने कैंची और स्क्रू-ड्राइवर से मालिनी के गले और सीने पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने दावा किया कि हत्या के बाद उसे पछतावा हुआ था और उसने पंखे से ट्रेन में लाई गई पतली कंबल बांधकर खुदकुशी की कोशिश की थी। हालांकि पुलिस उसके इस बयान की प्रामाणिकता जांच रही है। गौरतलब है कि पुलिस की शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने हत्या को पूर्व-नियोजित स्वीकार किया था।

कोकराझाड़ में विश्व हिंदू महासंघ का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। विश्व हिंदू महासंघ (भारत) तथा विश्व सनातन संस्थानम् की कोकराझाड़ जिला समिति के तत्वावधान में आज शांति नगर स्थित सार्वजनीन दुर्गा बाड़ी परिसर में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच कराकर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। शिविर में मुख्य चिकित्सक के रूप में उपस्थित जाने-माने डॉक्टर केडी भट्टाचार्य (बीएएमएस, डीसीएनटी एमडी चेन्नई) ने मरीजों की गहन स्वास्थ्य जांच की और उन्हें नि:शुल्क उचित परामर्श दिया। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ की बीटीसी समिति के अध्यक्ष रंजीत घोषाल, महासचिव संजय साहा और कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष डॉ. श्रीबाश चंद्र बर्मन विशेष रूप से उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि आम जनता की सेवा के लिए इस तरह के मानव कल्याणकारी कार्य आगे भी जारी रहेंगे। संगठन के इस सेवाभावी प्रयास की स्थानीय जनता ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रंगिया : गणेश जी की विशाल शोभायात्रा

रंगिया (विभास)। श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव समिति, रंगिया के तत्वावधान में स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मोंदर प्रांगण में आयोजित 38वां तीन दिवसीय भव्य श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न होने जा रहा है। महोत्सव के तीसरे व अंतिम दिन 15 सितंबर (मंगलवार) को सेठ श्री गणेश जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। मंगलवार सुबह 9-01 बजे आरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ दिन के कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात श्रीश्री राधाकृष्ण मोंदर प्रांगण से भगवान श्री गणेश जी की विशाल शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ रवाना होगी। यह नगर परिक्रमा करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी और संध्या 7 बजे पुन: मोंदर प्रांगण पहुंचकर संपन्न होगी। समिति के अनुसार, गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी शोभायात्रा में महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आयोजकों ने सभी पुरुष श्रद्धालुओं से पारंपरिक परिधान तथा महिलाओं से लाल-पीली साड़ी पहनकर शोभायात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है। इससे पूर्व रविवार रात्रि मूर्ति स्थापना और जन्मोत्सव समारोह के साथ 3 दिवसीय उत्सव की शुरुआत हुई थी। सोमवार को धार्मिक ध्वजारोहण, महापूजा, 56 भोग, हवन एवं महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। सोमवार अपराह्न आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं रात्रि 9-01 बजे से आयोजित *भजन संध्या* में गुवाहाटी से आए प्रसिद्ध गायक विशाल बजाज और गजेन्द्र शर्मा (गज्जू) की संगीतमय प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए।

धुबड़ी : अवैध रूप से 16 मवेशियों से लदा ट्रक तालाबा में गिरा

धुबड़ी (विभास)। जिले में कई दशकों से असामाजिक तत्व ने अवैध रूप से कई प्रकार का खुलेआम धंधा करते आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज सुबह धुबड़ी जिले के बालाजान के पास 16 भैंसों के साथ अवैध रूप से भरा हुआ ट्रक तालाब में गिर गया। स्थानीय लोगों की मदद से 16 भैंसों को निकाला गया, जिसमें 8 जीवित और बाकी आठ मृत पाया गया। मालूम हो कि इस प्रकार की घटना पश्चिम बंगाल और असम मैं प्रवेश करने वाले चेक पोस्ट छागोलिया के रास्ते असम के विभिन्न जिलों में प्रवेश करती है।

संपादकीय

युद्ध, प्रतिबंध के खिलाफ ब्रिक्स

यह भारत की अध्यक्षता और मेजबानी में ब्रिक्स देशों की ऐतिहासिक और कूटनीतिक उपलब्धि है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को शाबाश देनी चाहिए। साल भर में 350 के करीब बैठकों के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि ब्रिक्स का साझा घोषणा-पत्र जारी किया जा सका है। बीते पांच साल में कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह साझापन गायब रहा है। ब्रिक्स भारत ने अमरीका को आईना दिखाया है कि वह 'वैश्विक आक्रांता' न बने। हालांकि 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' में अमरीका-इजरायल का नाम नहीं है, लेकिन संदेश साफ है कि एकतरफा युद्ध स्वीकार्य नहीं हैं। दुनिया में जंग रुकनी चाहिए। आपसी संवाद, कूटनीति से विवादों के समाधान निकाले जा सकते हैं। आश्चर्य है कि ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब के दरमियान युद्ध जारी है, लेकिन ब्रिक्स का घोषणा-पत्र सर्वसम्मति से पारित किया गया है। बेशक इन देशों की अपनी-अपनी आपत्तियां और आशंकाएं थीं, लेकिन नई दिल्ली में इनके राजदूतों, राजनयिकों को एक साथ बिठाया गया, बातचीत कराई गई, उनकी लाल रेखाओं को समझा गया और शनिवार सुबह 4 बजे तक ब्रिक्स प्रतिनिधियों ने गहन मंथन किया, नतीजतन साझा घोषणा-पत्र पर सर्वसम्मति तय हुई। सबसे महत्वपूर्ण खबर तो यह सामने आई कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अबूधाबी के 'क्राउन प्रिंस' शेख मुहम्मद बिन जायद और उनके प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात हुई। दोनों ने 30 मिनट तक संवाद किया। कुछ सवाल और शिकायतें उभरी होंगी, लेकिन संवाद के बाद कुछ तो 'बर्फ' पिघली होगी! युद्ध के खिलाफ ब्रिक्स के घोषणा-पत्र का पहला प्रभाव भी सामने आया, जब युद्धरत यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बयान दिया कि वह जी-20 में मियामी (अमरीका) में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे और बात करने को तैयार हैं। रूस-यूक्रेन में बीते साढ़े चार साल से युद्ध जारी है। दोनों पक्षों की तबाही, बर्बादी, मौतें सामने आ चुकी हैं। यकीनन यह भारत के शांति-प्रयासों और लगातार आग्रहों का ही नतीजा है कि एकतरफा युद्ध के खिलाफ किसी घोषणा-पत्र ने 'बदलाव' की संभावनाएं पैदा की हैं। सिर्फ युद्ध ही नहीं, घोषणा-पत्र में आर्थिक प्रतिबंधों को भी 'मानवाधिकार का उल्लंघन' करार दिया गया है। ऐसे प्रतिबंध विश्व व्यापार संगठन, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ भी हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान खुलासा किया कि रूस पर 30,000 से अधिक पाबंदियां थोपी गई, उनके बावजूद रूस आगे बढ़ता रहा। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने भी अमरीकी पाबंदियों और नाकेबंदी का जिक्र किया, लेकिन यह भी भरोसा दिलाया कि अमरीका के थोपे गए, एकतरफा युद्ध और पाबंदियों से ईरान टूटने वाला देश नहीं है। हम आज जिंदा हैं, लिहाजा लड़ेंगे भी! ब्रिक्स घोषणा-पत्र में राष्ट्रपति ट्रंप के एकतरफा टैरिफवाद की भी मुखालफत की गई, उसे खारिज किया गया। भारत, चीन सरीखी महाशक्तियों पर भी ट्रंप ने टैरिफ थोपे, लेकिन उनकी अर्थव्यवस्थाओं को ठप नहीं कर सके। इन दोनों संदर्भों में भी अमरीका कठघरे में खड़ा है। घोषणा-पत्र में यह प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और आईएमएफ, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन आदि में व्यापक सुधारों को अब टाला नहीं जा सकता है। ये संस्थान पुराने ढर्रे से काम नहीं कर सकते। ब्रिक्स ने रूस, चीन से अपील की है कि वे सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता के लिए पैरवी करें। गौरतलब यह है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इस संदर्भ में, सहमति जताई है। देखते हैं कि यह भारत की कितनी मदद करता है, क्योंकि यह अभी तक भारत के दावे का विरोध करता रहा है। हालांकि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष भारत का समर्थन करते रहे हैं। बहरहाल ब्रिक्स का दिल्ली आयोजन आतंकवाद की भर्त्सना करने और उसके पनाहगारों, आर्थिक मददगारों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई के फैसले के लिए भी याद किया जाएगा। पाकिस्तान बिलबिला रहा होगा, तो चिंतित राष्ट्रपति ट्रंप भी अपने साथियों के साथ विमर्श कर रहे होंगे! ब्रिक्स भारत ने अगले कई सालों का एजेंडा भी तय किया है। वैश्विक स्तर पर विस्तार करने का विचार है। फिलहाल 41 अन्य देश ब्रिक्स से जुड़ना चाहते हैं। यह मंच शेष विश्व के लिए चुनौती बनता जा रहा है। ब्रिक्स देशों में आतंकवाद को लेकर बनी सहमति भी उल्लेखनीय है। आतंकवाद के खिलाफ अब ब्रिक्स देश मिलजुल कर लड़ेंगे। भारत में पाक प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने की दिशा में ब्रिक्स के संयुक्त प्रयास अच्छे परिणाम देंगे।

साल भर में 350 के करीब बैठकों के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि ब्रिक्स का साझा घोषणा-पत्र जारी किया जा सका है। बीते पांच साल में कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह साझापन गायब रहा है। ब्रिक्स भारत ने अमरीका को आईना दिखाया है कि वह 'वैश्विक आक्रांता' न बने। हालांकि 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' में अमरीका-इजरायल का नाम नहीं है। लेकिन संदेश साफ है कि एकतरफा युद्ध स्वीकार्य नहीं हैं। दुनिया में जंग रुकनी चाहिए। आपसी संवाद, कूटनीति से विवादों के समाधान निकाले जा सकते हैं। आश्चर्य है कि ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब के दरमियान युद्ध जारी है, लेकिन ब्रिक्स का घोषणा-पत्र सर्वसम्मति से पारित किया गया है। बेशक इन देशों की अपनी-अपनी आपत्तियां और आशंकाएं थीं, लेकिन नई दिल्ली में इनके राजदूतों, राजनयिकों को एक साथ बिठाया गया, बातचीत कराई गई, उनकी लाल रेखाओं को समझा गया और शनिवार सुबह 4 बजे तक ब्रिक्स प्रतिनिधियों ने गहन मंथन किया, नतीजतन साझा घोषणा-पत्र पर सर्वसम्मति तय हुई। सबसे महत्वपूर्ण खबर तो यह सामने आई कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अबूधाबी के 'क्राउन प्रिंस' शेख मुहम्मद बिन जायद और उनके प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात हुई। दोनों ने 30 मिनट तक संवाद किया।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित

नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश- "मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ"-अर्थात सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है। पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए।

देश | दुनीया से

बढ़ते व्यापार घाटे की चुनौती

हाल ही में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के तहत भारत ने ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार असंतुलन की चिंता को भी प्रस्तुत किया। कहा गया कि वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों के साथ भारत का कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 416 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत का कुल आयात 320 अरब डॉलर का है, यह आयात मुख्य रूप से ऊर्जा (कच्चा तेल, गैस) और विनिर्माण इनपुट (इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी) पर केंद्रित है। ब्रिक्स देशों को भारत का कुल निर्यात लगभग 96 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच चुका है। यद्यपि ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार की मात्रा बढ़ी है, लेकिन भारत के लिए 224 अरब डॉलर का भारी-भरकम व्यापार घाटा एक प्रमुख नीतिगत चुनौती बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश व्यापार पर प्रकाशित हालिया राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत के व्यापार घाटा बढने पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सितंबर 2026 की रिपोर्ट में भारत के बढ़ते व्यापार घाटे और उसके प्रभावों पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। रिजर्व बैंक द्वारा सितंबर के पहले सप्ताह में जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़कर 4.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) तक पहुंच गया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि वस्तु व्यापार घाटे में 25 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। वैश्विक संगठन मैकिन्से ग्लोबल ट्रेड अपडेट सितंबर 2026 के अनुसार मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल तथा कोयले की वैश्विक कीमतों में वृद्धि ने भारत के आयात बिल और व्यापार घाटे को

रिकार्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक घटकों की बढ़ती मांग ने चीन से होने वाले आयात को और बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल-अगस्त के दौरान भारत का वस्तु निर्यात करीब 15 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन आयात में 19 प्रतिशत से अधिक की तीव्र वृद्धि के कारण विदेश व्यापार घाटा ऊंचाई पर पहुंच गया है। कच्चे तेल और ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतें, इलेक्ट्रॉनिक्स, कोयला, उर्वरक और सोने के अधिक आयात के कारण विदेश व्यापार घाटा बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष में भारत का कई प्रमुख देशों के साथ व्यापार घाटा तेजी से बढ़ा है। हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापान के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत के बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त की। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 15.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत का आयात 21.43 अरब डॉलर और निर्यात महज 6.03 अरब डॉलर रहा है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए वर्ष 2011 में लागू हुए 15 साल पुराने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीपा) की समीक्षा करने और इसके दायरे को बढ़ाने की बात कही गई है। भारत मुख्य रूप से अपने बासमती चावल, कृषि और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के लिए जापानी बाजार में बेहतर पहुंच की मांग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा चीन के साथ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही जनवरी से जून में चीन से भारत का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से यह घाटा और चुनौतीपूर्ण हुआ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारत और चीन के बीच कुल व्यापार घाटा 67.1 अरब डॉलर दर्ज किया गया है। दोनों देशों के बीच कुल कारोबार 91.72 अरब डॉलर रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत ने चीन से 79.41 अरब डॉलर का सामान मंगवाया। भारत की ओर से चीन को मात्र 12.31 अरब डॉलर का सामान बेचा गया। चीन से भारत में लगातार बढ़ता आयात और उसकी तुलना में अत्यंत कम निर्यात ही इस विशाल व्यापार घाटे की मुख्य वजह है। भारत मुख्य रूप से चीन से बिजली के उपकरण, दूरभाष के पुर्जे, कंप्यूटर उपकरण, अर्द्धचालक (सेमीकंडक्टर), बैटरी और औद्योगिक मशीनरी का आयात करता है। यदि हम भारत-रूस व्यापार की ओर देखें तो पाते हैं कि चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक रूस से भारत में सबसे ज्यादा कच्चा तेल आया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रूस से भारत का आयात 52.59 प्रतिशत बढ़कर 23.61 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आयात में इस वृद्धि का मुख्य कारण कच्चा तेल है, जिसकी खरीद में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। तेल के अलावा भारत रूस से उर्वरक, पशु/वनस्पति चर्बी और अर्ध-कीमती पत्थर भी आयात करता है। ऐसे में व्यापार का संतुलन पूरी तरह से रूस के पक्ष में झुका हुआ है। पश्चिमी प्रतिबंधों और अमरीका के राजनीतिक दबाव के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद जारी रखी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत का व्यापार घाटा प्रमुख रूप से मध्य पूर्व और एशियाई देशों संयुक्त अरब अमीरात, इराक और सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड, हांगकांग जैसे देशों के साथ भी बना हुआ है। अमरीका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने के बाद भी भारत से अमरीका को निर्यात अमरीका से भारत में आने वाले आयात की तुलना में अधिक है और व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2026 में भारत का व्यापार घाटा 31.98 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो कि पिछले छह महीनों का उच्चतम स्तर है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जुलाई के चार महीनों में व्यापार घाटा बढ़कर 118 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई के चार महीनों का प्रदर्शन भी देश के बढ़ते व्यापार असंतुलन की तस्वीर साफ करता है।

आप का | नजरीया

क्या हम हिंदी राज्य के काबिल

भाषायी समुद्र में हिंदी के जहाज हफ्ता या पूरा पखवाड़ा दौड़ेंगे। समारोहों की बानगी में थके हारे विषय, कवि संगोष्ठियां और हिंदी के नाम पर कुछ औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी। हिमाचल का कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग भी तीन दिवसीय समारोहों की श्रृंखला में हिंदी की पूजा करेगा। सवाल यह है कि हिमाचल की हिंदी भाषी राज्यों में शुमारी के बावजूद क्या हम राजभाषा के रूप में हिंदी को समृद्ध एवं शक्तिशाली बना पाए। समारोहों की संगत में चहूं ओर बजट होगा और मुनादी यह कि हिंदी सर्वमान्य भाषा के रूप में अभिव्यक्ति और कार्यशैली की पैगंबर हो गई। हिमाचल में हिंदी का अस्तित्व बोलचाल में काफी बढ़ा है, लेकिन लेखन या प्रोफेशन की इबारत में इसकी व्यावहारिक क्षमता पर संदेह है। यह इसलिए कि सरकारी दस्तावेजों का सरलीकरण करने में कोई खास प्रयास नहीं हुए। सूचनाओं का आदान-प्रदान जिस लहजे या माध्यम से होता है, वहां अंग्रेजी घोट-घोट के पिलाई जा रही है। राजस्व विभाग के दस्तावेज आज भी ठेठ उर्दू, फारसी या आयातित भाषाओं में समझाए जाते हैं, तो विज्ञान, कानून तथा बिजनेस की पढ़ाई में अंग्रेजी का वर्चस्व है। बेशक शांता कुमार ने बतौर मुख्यमंत्री हिमाचल को हिंदी राज्यों की पांत में खड़ा कर दिया और उस दौर के गिरिराज साप्ताहिक ने अभिव्यक्ति का मार्ग प्रशस्त किया, लेकिन सचिवालय की फाइल ने कभी साबित नहीं किया कि हम पूर्णतः हिंदी प्रदेश हैं। हिंदी राज्य के उद्गार ने हिमाचली भाषा के स्वरूप का दम घोंटा है। हिमाचल ने अपनी बोलियों के धागों में इतनी गांठें पुरो लीं कि प्रदेश की भाषायी अस्मिता पूरी तरह क्षेत्रवाद की भेंट हो गई। इस बीच शिक्षा नीतियां भी खूब दौड़ीं और अध्ययन के बनते-बिगड़ते पाठ्यक्रमों ने पढ़ाई की आत्मा में अंग्रेजी को श्रेष्ठ बना दिया। अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्थानीय भाषाओं को वरीयता दे रही है, तो हिमाचल की गोद खाली है। हमारी आठ बोलियां अगर पंजाबी भाषा के निर्माण को उच्चतम आधार दे सकती हैं, तो हिमाचली भाषा के स्वरूप में पूरे हिमाचल की बोलियां क्यों न शरीक हों। हमारे करीब जम्मू-कश्मीर ने कई भाषायी प्रयोग किए और इसीलिए हमसे मिलती-जुलती डोगरी वर्ष 2003 में 92वें संशोधन के तहत आठवीं अनुसूची में शामिल हो गई। हमने हिंदी राज्य के नगाड़े बजा कर न तो गैर हिंदी राज्यों की पांत में हिंदी के लिए सुविधाएं प्राप्त कीं और न ही हिमाचली भाषा के तहत अपने सांस्कृतिक परिचय को हासिल किया। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के माध्यम से गैर हिंदी राज्यों को जो प्रोत्साहन उपलब्ध हैं, उस कैटेगिरी से वंचित हिमाचल सिर्फ कटी पूंछ दिखाता है। इसी तरह हिमाचल में हिंदी का पठन-अध्ययन भी अपनी विरासत नहीं बना सका। दरअसल हिंदी को अपने स्तर पर जिस तरह भाषायी संगम उत्प्रेरित करना चाहिए था, उससे डॉयलाग ही शुरू नहीं हुआ। हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की बोलियां अगर पंजाबी भाषा में निखार लाती हैं, तो हमारी हिंदी भाषा में इसके अनुरूप शब्द संशोधन क्यों नहीं। क्यों नहीं हम भाषा के सेतु पर उर्दू को हिंदी के करीब देख सके। हम भाषायी शुद्धता के राष्ट्रीय ढोंग में हिंदी में हिमाचल का पुरुषार्थ खोजते रहेंगे, तो चंद लेखकों की परिसीमा में न माया मिलेगी और न ही राम। हिमाचल के संबंध में जब तक हम अपनी बोलियों से हिमाचली भाषा और हिमाचली भाषा से हिंदी की यात्रा नहीं जोड़ते, सही मायने में हम हिंदी राज्य हो ही नहीं सकते।

हिमाचल का कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग भी तीन दिवसीय समारोहों की श्रृंखला में हिंदी की पूजा करेगा। सवाल यह है कि हिमाचल की हिंदी भाषी राज्यों में शुमारी के बावजूद क्या हम राजभाषा के रूप में हिंदी को समृद्ध एवं शक्तिशाली बना पाए। समारोहों की संगत में चहूं ओर बजट होगा और मुनादी यह कि हिंदी सर्वमान्य भाषा के रूप में अभिव्यक्ति और कार्यशैली की पैगंबर हो गई। हिमाचल में हिंदी का अस्तित्व बोलचाल में काफी बढ़ा है, लेकिन लेखन या प्रोफेशन की इबारत में इसकी व्यावहारिक क्षमता पर संदेह है। यह इसलिए कि सरकारी दस्तावेजों का सरलीकरण करने में कोई खास प्रयास नहीं हुए। सूचनाओं का आदान-प्रदान जिस लहजे या माध्यम से होता है, वहां अंग्रेजी घोट-घोट के पिलाई जा रही है। राजस्व विभाग के दस्तावेज आज भी ठेठ उर्दू, फारसी या आयातित भाषाओं में समझाए जाते हैं, तो विज्ञान, कानून तथा बिजनेस की पढ़ाई में अंग्रेजी का वर्चस्व है। बेशक शांता कुमार ने बतौर मुख्यमंत्री हिमाचल को हिंदी राज्यों की पांत में खड़ा कर दिया और उस दौर के गिरिराज साप्ताहिक ने अभिव्यक्ति का मार्ग प्रशस्त किया, लेकिन सचिवालय की फाइल ने कभी साबित नहीं किया कि हम पूर्णत: हिंदी प्रदेश हैं। हिंदी राज्य के उद्गार ने हिमाचली भाषा के स्वरूप का दम घोंटा है। हिमाचल ने अपनी बोलियों के धागों में इतनी गांठें पुरो लीं कि प्रदेश की भाषायी अस्मिता पूरी तरह क्षेत्रवाद की भेंट हो गई। इस बीच शिक्षा नीतियां भी खूब दौड़ीं और अध्ययन के बनते-बिगड़ते पाठ्यक्रमों ने पढ़ाई की आत्मा में अंग्रेजी को श्रेष्ठ बना दिया।

कुछ | अलग

हमारी पहचान का आधार है हिंदी

देश में हिंदी दिवस मनाने की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सरकारी कार्यालयों में भाषण, निबंध, कविता पाठ और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। हिंदी के महत्व पर लंबे-लंबे व्याख्यान दिए जाते हैं। लेकिन हिंदी दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल एक दिन हिंदी का गुणगान करना नहीं, बल्कि यह विचार करना है कि वर्ष के शेष 364 दिन हम हिंदी के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। हिंदी को सम्मान केवल समारोहों और मंचों तक सीमित रखने के बजाय इसे ज्ञान, विज्ञान, प्रशासन, तकनीक और रोजगार की भाषा के रूप में मजबूत करना समय की आवश्यकता है। भारत भाषाई विविधता वाला देश है। यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां लोगों की पहचान और संस्कृति का हिस्सा हैं। यही विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में हिंदी की भूमिका किसी अन्य भारतीय भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखी जानी चाहिए।

दृष्टि | कोण

प्रादेशिक भाषाओं के सागर में गोता लगाए हिंदी

आज हम एक बार फिर हिंदी दिवस मना रहे हैं। हम साल-दर-साल इसे मनाकर क्या हासिल करते हैं? सवाल यह है कि 53 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी को साल में एक दिन तक सीमित करना कितना जरूरी है? क्या हम इसे धार्मिक कर्मकांड की तरह नहीं मनाने लगे हैं...? केंद्र सरकार, बैंकों व राज्य सरकारों के दफ्तरों के लिए हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए बाकायदा बजट आता है। उन्हें कार्यक्रम की कवरेज कराकर अखबारी कतरनें और चित्र अपने हिंदी विभागों को भेजने की रस्म अदायगी करनी पड़ती है। यानी हिंदी के लिए एक दिन का कर्मकांड। अक्सर व्यंग्यकार पितृपक्ष के दौरान आने वाले इस दिन को एक स्मृति दिवस के रूप में मनाने पर तंज करते हैं। वाकई कुछ ऐसा ही कि एक दिन की याद और फिर राजरानी अंग्रेजी का वर्चस्व। आखिर हम इस कर्मकांड से कब मुक्त होंगे? हिंदी को लेकर हमारे ये अहसास रोज क्यों नहीं जगते? हिंदी आज देश की राजभाषा है। वह बात अलग है कि कुछ राज्यों के राजनीतिक स्वार्थों की वजह से हिंदी को वह दर्जा नहीं मिल पाया जो उसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देना चाहा। महात्मा गांधी से लेकर तमाम गैर-हिंदी भाषियों के हिंदी के उत्थान के लिए दिये गए योगदान के लिए हिंदी समाज ऋणी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज दक्षिणी राज्यों को हिंदी से तो परहेज है मगर सात समुद्र पार से आयी साम्राज्यवाद की भाषा अंग्रेजी से कोई परेशानी नहीं है। हकीकत यह भी है कि हिंदी को जटिल व पांडित्यपूर्ण बनाने वाले लोगों की वजह से हिंदी गैर हिंदी भाषी

इलाकों में लोगों की जुबान पर नहीं चढ़ पायी। अंग्रेजी से किए गए गूढ़ अनुवाद ने भी समस्या को और अधिक जटिल बनाया। वास्तव में इस देश को एक संपर्क भाषा की जरूरत है। भारत को एक महाद्वीप कहा जाता है जहां कोस-कोस पर भाषा के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए कोई तो संपर्क भाषा होनी चाहिए। दुखद है कि आजादी के आठ दशक बाद भी आखिर क्यों हम हिंदी के समकक्ष ऐसी हिंदुस्तानी भाषा तैयार न कर पाये जो सबको मंजूर हो। उसमें तालमेल रखने वाले तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयाली जैसी अन्य भाषाओं के आसानी से समझ में आ सकने वाले शब्द शामिल किए जाते। हिंदी भाषियों की भी दिक्कत है कि वे दक्षिण की भाषाएं सीखने की कोशिश नहीं करते। यह बात दक्षिण भारत के लोगों को अकसर अखरती है। यही वजह है कि जानने के बावजूद वे हिंदी बोलने से परहेज करते हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है। हिंदी की वीडियो देखते-देखते ही वायरल हो जाती हैं। दक्षिण भारत में भी खूब देखी व पसंद की जाती हैं। लेकिन जब हिंदी भाषा की बात आती है तो विरोध के स्वर उभरने लगते हैं। आज एआई और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने भाषा की दीवारों को तोड़ दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी खूब धड़ल्ले से देखी-पढ़ी जा रही है। अब तो एआई से अनुवाद के जरिये हर भाषा को समझा, पढ़ा और लिखा जा सकता है। तो फिर ये भाषायी दीवारें क्यों? उत्तर भारत में दैनिक ट्रिब्यून ने आम बोलचाल की हिंदी को बढ़ावा देने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। अपने स्वर्णजयंती मनाने की ओर बढ़ रहे इस पत्र ने हिंदी भाषा, हिंदी साहित्य और सरल-सुबोध समाचारों के जरिये हिंदी की सेवा करने की कोशिश की है। सरदार दयाल सिंह मजीठिया के द्वारा लगाया गया 'द ट्रिब्यून' का पौधा भी अपनी यात्रा के डेढ़ सौ साल पूरे करने की दिशा में उन्मुख है। वर्ष 1978 में जब मातृ संस्थान 'द ट्रिब्यून' परिवार द्वारा हिंदी व पंजाबी में समाचारपत्र शुरू किये गये तो तत्कालीन माननीय ट्रस्टी एम.एस. रंधावा की सोच थी कि हिंदी,

कांग्रेस और भाजपा को 44-44 और रालोपा को मिली एक सीट, 10 निर्दलीय जीते

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर नगर निगम के 100 वार्डों में हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को हुई। इसमें 99 वार्डों की गणना हो गई है। चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को बहुमत नहीं मिल सका है। भाजपा और कांग्रेस ने 44-44 वार्डों पर अपना कब्जा जमाया है। वहीं आरएलपी ने एक सीट जीती है। निर्दलीय प्रत्याशियों के खाते में 10 सीटें गई हैं। वहीं वार्ड संख्या 50 का परिणाम घोषित नहीं हो सका है। यहां एक ईवीएम में खराबी होने के चलते रिपोलिंग की जाएगी। इस चुनाव में कई दिग्गज हार गए है। कांग्रेस में पूर्व मेयर कुंती देवड़ा व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा की करारी हार हुई है। वहीं भाजपा से पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा भी हार गए है। यह तीनों मेयर की रेस में शामिल थे। शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज में जोधपुर नगर निगम चुनाव के 100 वार्डों में से 99 सीटों की मतगणना गई। काउंटिंग की शुरुआत डाक मतपत्रों की गिनती से की। इसके बाद अन्य

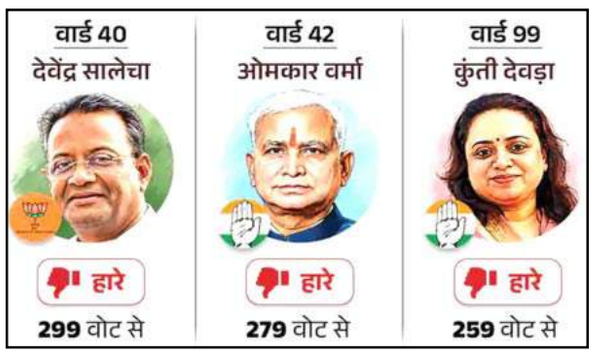

मतों की गणना हुई। इसके लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज के 10 रूम में हर वार्ड के अनुसार अलग-अलग टेबल लगाई गई। परिणाम के अनुसार वार्ड 99 में भाजपा की निकिता गहलोत ने पूर्व मेयर कुंती देवड़ा को 259 वोटों से शिकस्त दी। वार्ड 42 में कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा को भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री मेघराज लोहिया ने उन्हें 279 वोटों के अंतर से हराया। वार्ड 51 का नतीजा भी खास रहा। कांग्रेस की जेन-जी 21 वर्षीय सरस्वती प्रजापत ने जीत दर्ज की। वे इस चुनाव में सबसे कम उम्र की प्रत्याशी हैं और फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। वार्ड 28 में भाजपा प्रत्याशी और फुटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी विकास राघवानी विजयी रहे। वहीं भाजपा प्रत्याशी और पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा हार गए। कांग्रेस से पूर्व जिलाध्यक्ष नरेशचंद्र जोशी जीते। दोनों भाजपा और कांग्रेस के मेयर पद के दावेदारों में शामिल थे। इस वार्ड से भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर थी। बता दे कि जोधपुर नगर निगम में 100 वार्ड है, यहां 385 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इसमें कांग्रेस और भाजपा के 100-100 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। वहीं अन्य दलों और निर्दलीय की संख्या 185 थी। कुल 7 लाख 12 हजार 164 मतदाता में से 5 लाख 12 हजार 410 मतदाताओं ने अपने वोट का उपयोग किया थ। जोधपुर में मतदान प्रतिशत 71.95 प्रतिशत रहा। वार्ड 50 के बूथ संख्या 338 पर ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी के चलते मतगणना नहीं हो सकी। ईवीएम की जांच के लिए इंजीनियर को बुलाया गया, लेकिन कोशिश के बाद भी मशीन से गणना संभव नहीं हुई। इसकी जानकारी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्याशियों और उनके एजेंटों को दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने पूरे मामले से राज्य निर्वाचन आयोग को अवगत कराते हुए पत्र भेजा है। अब आयोग की अनुमति के बाद 16 सितंबर को बूथ संख्या 338 पर पुनर्मतदान कराया जाना संभावित है। जोधपुर नगर निगम चुनाव की खास बात रही कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जहां वार्ड संख्या 88 में अपना मतदान किया, उस वार्ड से भाजपा के अशोक खींची चुनाव जीते। दूसरी ओर वार्ड संख्या 56 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपना मत दिया, वहां से कांग्रेस की पुष्पा देवी ने जीत दर्ज की। जोधपुर नगर निगम में इस बार हनुमान बेनीवाल की आरएलपी ने खाता खोल दिया। जोधपुर के वार्ड 66 से रालोपा उम्मीदवार मोहम्मद इरफान उर्फ राजू भाटी ने कांग्रेस के शेर मोहम्मद को 1672 मत से हराया। वहीं जोधपुर निगम के वार्ड से निर्दलीय विशाल सांखला, वार्ड 19 से दिनेश शर्मा, वार्ड 20 से चेतन गहलोत, वार्ड 81 से स्वरूप सिंह, 29 से अफसाना बानो, 48 से दुर्गा मेवाड़ा, 47 से मोहन चौधरी, 27 से कासम खान, 76 से निर्मला नायक और वार्ड 69 से लियाकत अली रंगरेज चुनाव जीते।

सरकार आंदोलन करने वालों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही : सुनैना चौटाला

पलवल (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की वरिष्ठ नेत्री सुनैना चौटाला सोमवार को पलवल पहुंचीं। यहां वरिष्ठ इनेलो नेता सतपाल देशवाल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं और लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 27 सितंबर को नूंह में होने वाली इनेलो की सम्मान दिवस रैली की तैयारियों का जायजा लिया और लोगों को रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का न्योता दिया। यह रैली चौधरी देवीलाल जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित की जा रही है। जनसभा को संबोधित करते हुए सुनैना चौटाला ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज हरियाणा में किसान, कर्मचारी, युवा और अन्य वर्ग अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाए आंदोलन करने वालों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी आम जनता के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर टैक्स का बोझ बढ़ने से आम आदमी परेशान है। उन्होंने भाजपा के पुराने चुनावी वादों पर भी सवाल उठाए। पलवल के औद्योगिक क्षेत्रों का मुद्दा उठाते हुए सुनैना चौटाला ने कहा कि क्षेत्र में उद्योग होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान सुनैना चौटाला ने इनेलो नेत्री संगीता देशवाल को संबोधित करते हुए पार्टी में उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगीता देशवाल

पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं। संगीता देशवाल ने कहा कि चौधरी देवीलाल की विचारधारा किसान, मजदूर, गरीब और कमेरे वर्ग के हितों की आवाज रही है। 27 सितंबर को नूंह में होने वाली सम्मान दिवस रैली में पलवल क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। वरिष्ठ इनेलो नेता सतपाल देशवाल ने कहा कि नूंह में होने वाली सम्मान दिवस रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। पलवल से बड़ी संख्या में लोग रैली में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और आम लोगों की समस्याओं को मजबूती से उठाना इनेलो का उद्देश्य है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महेंद्र चौहान, महिला मोर्चा की सुनीता सौरोत, बलदेव देशवाल सहित बड़ी संख्या में इनेलो कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

बीकानेर की पूर्व मेयर सुशीला कंवर हारीं, कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत

बीजेपी अध्यक्ष के वार्ड में भाजपा की करारी हार

बीकानेर (हिंस)। दस साल से काबिज भाजपा के बोर्ड को मात देकर सोमवार को आए नगर निगम चुनाव परिणाम में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। पिछले निगम कार्यकाल में भाजपा की मेयर रह चुकीं पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हार गई है। वहीं पूर्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला के भतीजे अनिल कल्ला को जीत हासिल हुई है। निगम चुनाव के अब तक सामने आए नतीजों में कांग्रेस ने बढ़त बनाते हुए कुल 80 में से 42 वार्डों में जीत दर्ज की है। जबकि भाजपा के खाते में 27 वार्ड आए हैं। वहीं 10 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे हैं। वार्ड 23 में एक सीट पर रालोपा की सरोज ने जीत हासिल की है। कांग्रेस के अनिल कल्ला ने वार्ड 73 में भाजपा के दीपक पारीक को हराया। कल्ला पूर्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला के भतीजे हैं। कांग्रेस ने ये सीट करीब 800 वोट से जीत ली है। वहीं, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हार गई हैं। उनके सामने कांग्रेस की किरण भाटी ने जीत दर्ज की है। सुशीला कंवर पिछले चुनाव में मेयर बनी थी। वर्तमान में भाजपा के निकाय चुनाव घोषणा पत्र में भी वे सदस्य थी। बीकानेर के पोलिटेक्निक कॉलेज पर निर्धारित मतगणना केंद्रों में रिटर्निंग अधिकारियों की निगरानी में काउंटिंग हुई। उधर बीकानेर शहर बीजेपी अध्यक्ष सुमन छाजेड़ के वार्ड में भाजपा की करारी हार हुई है। यहां कांग्रेस की सविता जोशी ने सरिता नाहटा को 1600 वोटों के अंतर से हराया है।

जलालाबाद सिटी थाने पर ग्रेनेड हमले के आरोप में दो गिरफ्तार

फाजिल्का (हिंस)। जलालाबाद सिटी पुलिस स्टेशन में हुए धमाके के मामले में फाजिल्का पुलिस ने सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 38 घंटे बाद पुष्टि की कि यह ग्रेनेड हमला था। अधिकारियों ने दावा किया कि हमले के पीछे पाकिस्तानी एजेंसियों की भूमिका की जांच में संकेत मिले हैं। फिरोजपुर रेंज के डीआईजी स्नेहदीप शर्मा और फाजिल्का के एसएसपी गगन अजीत सिंह ने सोमवार शाम पत्रकार वार्ता में बताया कि 12 और 13 सितंबर की दरमियानी रात करीब 2 बजे पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड फेंका गया था। विस्फोट से थाना परिसर में खड़ी दो कारों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए थे, हालांकि किसी की जान नहीं गई। इसी मामले में जलालाबाद उपमंडल के हजारा राम सिंह वाला निवासी गुरप्रीत सिंह और घुबाया गांव निवासी मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब में होगा पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट, पाकिस्तान भी करेगा भागीदारी

मोहाली (हिंस)। पंजाब इस साल पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट 27 अक्तूबर से 5 नवंबर तक खेला जाएगा और पाकिस्तान की टीम भी इसमें हिस्सा लेगी। हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने सोमवार को मोहाली के फेज-9 स्थित बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम के दौरे के दौरान कार्यक्रम की जानकारी दी। टूर्नामेंट का उद्घाटन 27 अक्तूबर को दोपहर 2-30 बजे जालंधर में होगा। लीग चरण के मुकाबले जालंधर में खेले जाएंगे, जबकि नॉकआउट मैच, सेमीफाइनल, फाइनल और समापन समारोह 5 नवंबर को मोहाली में आयोजित होंगे। सबसे अधिक इंतजार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले का रहेगा। यह मैच 1 नवंबर को पंजाब दिवस के अवसर पर जालंधर में खेला जाएगा। हॉकी

इंडिया के महासचिव भोला नाथ सहित अन्य अधिकारियों ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मोहाली स्टेडियम परिसर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि कर दी है और हॉकी इंडिया की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं, बल्कि बहु-देशीय प्रतियोगिता है, इसलिए पाकिस्तान टीम की यात्रा को भी स्वीकृति मिली है। हॉकी इंडिया महासचिव भोला नाथ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हॉकी महासंघों के बीच अच्छे संबंध हैं और दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच भी खेल भावना मजबूत रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम ने पंजाब में टूर्नामेंट खेलने में रुचि दिखाई है। टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, जापान, मलेशिया, चीन और कोरिया की छह टीमें भाग लेंगी। ओमान और बांग्लादेश को रिजर्व टीमों के रूप में रखा गया है। उद्घाटन मुकाबला जापान और मलेशिया के बीच खेला जाएगा। इस दौरान टूर्नामेंट का लोगो भी जारी किया गया, जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान और मौजूदा खिलाड़ी मनप्रीत सिंह को स्थान दिया गया है। आयोजकों ने घोषणा की कि जालंधर और मोहाली दोनों स्थानों पर दर्शकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

महिला एशिया कप 2026 में विजयी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को नीतीश कुमार ने दी बधाई

पटना (हिंस)। जनता दल युनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने महिला एशिया कप 2026 में शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत खिलाड़ियों की प्रतिभा, अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट परिचय है। टीम की सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से देश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने पूरी टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी तरह देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस नेताओं को नजरबंद करना लोकतंत्र पर हमला : वर्धन यादव

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सोमवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय दौरे से पहले कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को कथित रूप से उनके घरों में नजरबंद किए जाने को जिला कांग्रेस कमेटी गुरुग्राम ग्रामीण के अध्यक्ष वर्धन यादव ने बेहद निंदनीय, अलोकतांत्रिक और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गुरुग्राम दौरे से पहले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील यादव, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अभिषेक यादव, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुबीर तंवर सहित अनेक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा उनके घरों से बाहर निकलने से रोका गया। आरोप है कि यह कार्रवाई केवल इसलिए की गई ताकि कांग्रेस के नेता मुख्यमंत्री के सामने गुरुग्राम की समस्याओं और जनता के सवालों को न उठा सकें। वर्धन यादव ने कहा, लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना और जनता की आवाज उठाना है। अगर मुख्यमंत्री के दौरे से पहले विपक्षी दल के पदाधिकारियों को घरों में नजरबंद किया जा रहा है, तो यह सरकार की ताकत नहीं बल्कि उसके डर को दिखाता है। हम इस कार्रवाई की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के नागरिक लगातार जलभराव, टूटी सड़कों, ट्रैफिक जाम, सीवर व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं तथा विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को लेकर परेशान हैं। कांग्रेस इन्हीं जनहित के मुद्दों को लगातार उठा रही है। सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि सवाल उठाने वाले विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकना चाहिए। वर्धन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री का किसी भी जिले में दौरा लोकतांत्रिक व्यवस्था का सामान्य हिस्सा है, लेकिन यदि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले विपक्ष के नेताओं को उनके घरों में रोक दिया जाए तो इससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। क्या सरकार को अपने ही प्रदेश के नागरिकों और विपक्ष के सवालों से इतना डर लगने लगा है कि मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले कांग्रेस नेताओं को घरों में बंद करना पड़ रहा है? उन्होंने सवाल किया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराना और सरकार के सामने जनसमस्याएं रखना लोकतांत्रिक अधिकार है। प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन केवल राजनीतिक असहमति या संभावित विरोध के आधार पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की आवाज दबाना उचित नहीं है।

बिहार में यूसीसी लागू नहीं होने देंगे, हमारे नेता शुरु से इसके विरोध में हैं : श्याम रजक

पटना (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2029 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के बयान के बाद बिहार में सियासी हलचल तेज हो गई है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता और फुलवारी शरीफ से विधायक श्याम रजक ने सोमवार को स्पष्ट कहा कि बिहार में यूसीसी लागू नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, राजग के अन्य घटक दलों ने यूसीसी के समर्थन या कानून बनने के बाद इस पर विचार करने की बात कही है। श्याम रजक ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि बिहार में गठबंधन की सरकार है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भाजपा से हैं, लेकिन सरकार गठबंधन की है। इसलिए बिहार में यूसीसी लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा

कि जब यह विधेयक संसद में आया था, तब जदयू के नेता नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया था कि केंद्र में विधेयक का समर्थन किया गया है, लेकिन राज्य में इसे लागू नहीं किया जाएगा। जदयू अपने इस रुख पर कायम है। इधर, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राज्यसभा सदस्य सतीश चंद्र दुबे ने यूसीसी का समर्थन करते हुए कहा कि कई राज्य इसे लागू कर चुके हैं और आने वाले दिनों में अन्य प्रदेश भी इसे लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि यह देशहित में जरूरी है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोच-समझकर ही यह बयान दिया होगा और वह पूरी तैयारी के बाद ही कोई बात कहते हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के एक अन्य घटक लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी यूसीसी के पक्ष में रुख जताया है। पार्टी प्रवक्ता प्रोफेसर विनीत कुमार सिंह ने कहा कि लोजपा (रामविलास) चाहती है कि यूसीसी पूरे देश में लागू हो। उन्होंने विपक्ष से भी इसका समर्थन करने की अपील की। वहीं, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि जब यूसीसी से संबंधित कानून आएगा, तब पार्टी इस पर विचार करेगी। इससे पहले रविवार को मुंबई में संवाददाता सम्मेलन में अमित शाह ने कहा था कि भाजपा-राजग शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि कई राज्यों में पहले ही समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है और उन्हें विश्वास है कि बाकी राज्यों में भी इसे लागू किया जाएगा। समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी का आशय देश के सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत मामलों से जुड़े विषयों पर एक समान कानून से है। इसके तहत विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, संपत्ति के बंटवारे, गोद लेने, भरण-पोषण, वसीयत और पारिवारिक अधिकार जैसे मामलों के लिए समान कानूनी प्रावधान किए जाने की परिकल्पना है। वर्तमान में इन विषयों पर अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं, जबकि आपराधिक मामलों में देशभर में समान कानून लागू है। यूसीसी लागू होने की स्थिति में व्यक्तिगत कानूनों से जुड़े मामलों में भी समान कानूनी व्यवस्था लागू होगी। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता लागू की। इसके बाद कुछ अन्य राज्यों ने भी इसे लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। बिहार में जदयू के विरोध के बाद यह मुद्दा राज्य में राजग के भीतर राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है।

सपा में होता है गुंडों और अपराधियों का संरक्षण : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा में गुंडों और अपराधियों का संरक्षण है। उप मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भाजपा अगड़ा-पिछड़ा-दलित समाज की उस पवित्र *त्रिवेणी* संगम की तरह है, जिसमें सबका सम्मान, सबका विकास और सबका विश्वास शामिल है। दूसरी ओर सपा का पीडीए यानी परिवार डेवलपमेंट एजेंसी- जहां जनता के विकास से ज्यादा परिवार, गुंडों और अपराधियों के संरक्षण की चिंता होती है। उन्होंने लिखा सपा का इतिहास उत्तर प्रदेश के लिए खतरनाक रहा है। साजिश और झूठ के सहारे चुनाव एक बार जीता जा सकता है, बार-बार नहीं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन को जो राजनीतिक लाभ मिला, वह साल 2027 में दोहराया नहीं जाएगा। उत्तर प्रदेश की जनता सब देख रही है और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

जयपुर में गणपति जन्मोत्सव की धूम, बाल स्वरूप से राजसी श्रृंगार तक हुए दुर्लभ दर्शन

जयपुर (हिंस)। गणेश चतुर्थी पर सोमवार को राजधानी जयपुर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की भक्ति में डूबी रही। शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। कहीं गणपति के बाल स्वरूप के दुर्लभ दर्शन हुए तो कहीं राजसी श्रृंगार में विराजे गजानन ने भक्तों को मोहित किया। मंदिरों में अभिषेक, विशेष श्रृंगार, छप्पन भोग, मोदक अर्पण, भजन-कीर्तन, महाआरती और विशेष झांकियों के आयोजन हुए। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार जेएलएन रोड तक पहुंच गई। सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेशजी महाराज का विशेष राजसी श्रृंगार किया गया। महंत कैलाश शर्मा के अनुसार भगवान को हीरे-जड़ा स्वर्ण मुकुट, नौलखा हार और अन्य आभूषण धारण कराए गए। चांदी के सिंहासन पर राजसी स्वरूप में विराजे गणेशजी के दर्शन के लिए सुबह करीब 5 बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गई। भीड़ बढ़ने पर कतार मंदिर से निकलकर जेएलएन रोड तक पहुंच गई। गणपति बप्पा के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय रहा। सुबह 5 बजे मंगला आरती के साथ दर्शन शुरू हुए, जो रात 11.40 बजे शयन आरती तक जारी रहे। इस तरह श्रद्धालुओं को 19 घंटे से अधिक समय तक दर्शन का अवसर मिला। भारी भीड़ को देखते हुए मोतीडूंगरी मंदिर में 72 नए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। इनकी रिकॉर्डिंग 30 दिन तक सुरक्षित रखी जाएगी। सुरक्षा जांच के लिए छह डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और छह हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर लगाए गए। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए छह प्रवेश और आठ निकासी लाइनें बनाई गईं, जबकि एक लाइन प्रवेश पास के लिए रखी गई। एमडी रोड, जेएलएन मार्ग और तख्तेशाही रोड से प्रवेश दिया गया। बुजुर्गों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए 100 ई-रिक्शा लगाए गए। इलेक्ट्रिक लो-फ्लोर बसों की सुविधा भी उपलब्ध रही। व्यवस्थाओं में करीब 500 स्वयंसेवक लगाए गए। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए डीजीपी ने भी मोतीडूंगरी गणेश मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने महंत कैलाश शर्मा के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था देखने के बाद डीजीपी ने गणेशजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी गणेश चतुर्थी पर मोतीडूंगरी गणेश मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। साथ ही राजस्थान की उन्नति और विकास के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश की कृपा से राजस्थान

प्रगति, विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े तथा प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-शांति बनी रहे। ब्रह्मपुरी स्थित ऐतिहासिक गढ़ गणेश मंदिर में महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में महा गणपति जन्मोत्सव मनाया गया। गणेश चतुर्थी पर मंदिर की विशेष परंपरा के अनुसार गणपति महाराज के बिना सूंड और बिना वस्त्र वाले बाल स्वरूप के दर्शन हुए। यह दुर्लभ पुरुषाकृति बाल स्वरूप वर्ष में केवल एक बार जन्मोत्सव पर दिखाई देता है। सुबह 4 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद पत्र-पुष्प की मालाओं से विशेष श्रृंगार किया गया। बाल स्वरूप के कारण गणपति को वस्त्र धारण नहीं कराए गए। सुबह 5 बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दुर्वाचन और एक हजार मोदकों का अर्पण किया गया। दोपहर 12 बजे भोग आरती के बाद सहस्त्र नामावली से हवन, शाम 7 बजे संध्या आरती और रात 12 बजे शयन आरती हुई। मंदिर में विशेष झांकी भी सजाई गई। मंगलवार को पारंपरिक मेले का आयोजन हुआ। सुबह अभिषेक और नवीन वस्त्र धारण कराने के बाद मंगला आरती और दोपहर में भोग आरती हुई। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद शयन आरती हुई। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई। चांदपोल स्थित प्राचीन परकोटा गणेश मंदिर में मंगला आरती के साथ जन्मोत्सव की शुरुआत हुई। सुबह पंचामृत अभिषेक के बाद गणेशजी का सोने के वर्क से विशेष श्रृंगार किया गया। महंत अमित शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर छप्पन भोग अर्पित किया गया और विशेष झांकी सजाई गई। मंदिर में दिनभर भजन-कीर्तन हुए। शाम को सैकड़ों दीपकों से महाआरती की गई। मंदिर को रोशनी, फूलों और बंदरवाल से सजाया गया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान अभिषेक, विशेष श्रृंगार, लड्डुओं की झांकी, महाआरती, बैंड वादन और भजन संध्या हुई। सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। मुख्य संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और उपाध्यक्ष संजय पतंगवाला ने बताया कि सुबह गणेशजी को मोदक अर्पित किए गए। दोपहर में महाआरती और बैंड वादन हुआ। भगवान को नई पोशाक धारण कराकर विशेष श्रृंगार किया गया। शाम को महामंत्री गणेश लूनीवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल के संयोजन में भजन संध्या हुई। स्थानीय कलाकारों ने *गाइये गणपति* और *जय बोलो गणेश जी महाराज की* सहित भजनों की प्रस्तुतियां दीं। महोत्सव में 2500 किलो लड्डुओं की प्रसादी वितरित की गई। इसे तैयार

आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ

मुंबई

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लाट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है। यह इश्यू पूरी तरह आफर फार सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है।

शाओमी की स्काईनोमैड एन90 मैक्स स्टूडियो एसयूवी पेश

नई दिल्ली। शाओमी कंपनी ने अपनी अनोखी स्काईनोमैड एन90 मैक्स स्टूडियो एसयूवी पेश की है। इस एसयूवी के माध्यम से शाओमी ने चलती-फिरती रहने की जगह जैसी अवधारणा को साकार किया है, जो यात्रा और आराम के लिए अद्वितीय सुविधाएँ प्रदान करती है। इस एसयूवी की सबसे खास बात इसकी इलेक्ट्रिक रूप से ऊपर उठने वाली छत है, जो कार के अंदर एक दूसरा तल तैयार करती है। यह अतिरिक्त हिस्सा एक पूर्ण बिस्तर के साथ आता है और इसमें एक वयस्क आराम से खड़ा हो सकता है, जिसकी कुल आंतरिक ऊंचाई 2,294 मिलीमीटर तक पहुंच जाती है। ऊपर बने इस हिस्से का आकार 2,110 मिलीमीटर लंबा और 985 मिलीमीटर चौड़ा है, जिसमें 1,946 मिलीमीटर का बिस्तर बोर्ड और 30 मिलीमीटर मोटा गद्दा दिया गया है। इसके अलावा, नीचे की दूसरी पंक्ति की सीटों को भी लगभग 30 सेकंड में बिस्तर में बदला जा सकता है, जो 1.87 मीटर लंबा बिस्तर प्रदान करता है। एन90 मैक्स स्टूडियो में लकड़ी जैसा दिखने वाला एल्युमिनियम फर्श भी है, जिसमें कारखाने से ही गर्म करने की सुविधा मिलती है, जिसका तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक रखा जा सकता है। अन्य प्रीमियम सुविधाओं में 30 इंच की प्रोजेक्शन स्क्रीन, रोशनी रोकने वाले पर्दे, एक फ्रिज, 220 वोल्ट के बिजली आउटलेट और सामान रखने के लिए अलमारियां शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई, विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर, 5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप माडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

नई दिल्ली। भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था। यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है। किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक आनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

ब्रेंट क्रूड 107 डालर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डालर के पार

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डालर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं।

भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 113.37 रुपये और डीजल 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। राजस्थान के जयपुर में पेट्रोल 112.69 रुपये और डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मध्य प्रदेश के भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 101.51 रुपये और डीजल 89.47 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

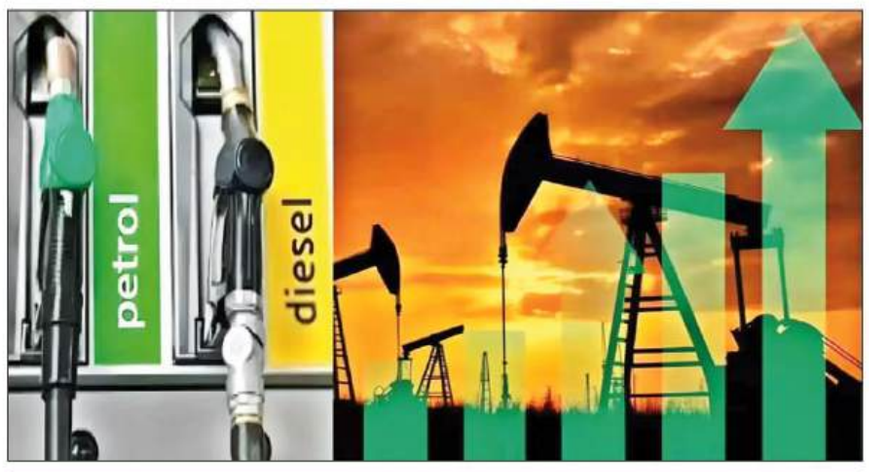

आईफोन 17 पर मंहगाई की मार, कीमतों में भारी उछाल से पहले ग्राहकों की होड़, मेमोरी लागत बढ़ने से आईफोन 17 की कीमतें 21 फीसदी तक बढ़ेंगी, पुराने स्टाक खत्म करने की होड़

नई दिल्ली। आगामी त्योहारी सीजन से पहले आईफोन 17 सीरीज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की आशंका के चलते ग्राहक पुराने स्टाक खरीदने में जुट गए हैं। इस मजबूत मांग से प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि खरीदार नई बढ़ी हुई कीमतों से बचना चाहते हैं। ऐपल ने घोषणा की है कि 256जीबी वाले आईफोन 17 की कीमत 20.5 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 99,000 रुपये हो जाएगी, जबकि 512जीबी माडल 21.3 फीसदी बढ़कर करीब 1,24,900 रुपये का होगा। पिछले एक साल में मेमोरी लागत में तेजी से वृद्धि के बावजूद पहले कीमतें नहीं बढ़ी थीं, लेकिन अब इसका बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के बचे हुए स्टाक की भी अच्छी मांग है, क्योंकि उनका उत्पादन बंद हो चुका है। काउंटरपाइंट रिसर्च के अनुसार, शुरुआती जानकारी दर्शाती है कि पुरानी कीमत पर बिक रहे आईफोन 17 का स्टाक अगले एक-दो सप्ताह में खत्म होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि महंगे फोन खरीदने वाले ग्राहक कीमत वृद्धि से कम प्रभावित होते हैं, लेकिन आईफोन 17 के कई खरीदार पहली बार एंड्राइड से आईफोन पर स्विच कर रहे हैं, जिनके लिए बढ़ी कीमत चिंताजनक हो सकती है। हालांकि, आसान ईएमआई और आकर्षक आफर इस असर को कम कर सकते हैं। प्रो और प्रो मैक्स माडल की कुल बिक्री हिस्सेदारी 2025 में 13 फीसदी से बढ़कर इस साल 17 फीसदी होने का अनुमान है।

मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है।

जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम

कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

नई दिल्ली। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथारिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेजिल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोजोलोमाइड और जोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

एआई क्रांति : अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव

नई दिल्ली

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी।

इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी।

इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंततः तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा।

हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है।

वहीं, ओपनएआई के सैम आल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के आटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय आटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही।

इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के साथ ई-20 ईंधन को लेकर ग्राहकों के बीच बनी हिचकिचाहट भी उन्हें वैकल्पिक विकल्पों की ओर ले जा सकती है। कम परिचालन लागत के कारण सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले समय में सस्ते इलेक्ट्रिक वाहनों की नई पेशकश इस बदलाव को और गति दे सकती है।

एशियाड, ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेल में क्या है अंतर भारतीय एथलीटों के लिए एशियाई खेल अहम क्यों

नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्तूबर 2026 तक एशियाई खेल 2026 का आयोजन होना है। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इवेंट में भाग लेने वाली टीमें अपनी तैयारी के अंतिम चरण में हैं और ज्यादा से ज्यादा से पदक जीत अपने देश का नाम प्रतिष्ठित करने की कोशिश करेंगी। भारत के एथलीटों के लिए वैश्विक मंचों पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल और एशियन गेम्स के रूप में तीन वैश्विक मंच उपलब्ध हैं। तीनों खेलों का फलक एक दूसरे से भिन्न है। आइए जानते हैं कि इन तीनों आयोजनों में क्या अंतर है

खेलों के महाकुंभ के नाम से मशहूर है ओलंपिक – ओलंपिक दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन है। इस वैश्विक इवेंट में दुनिया के लगभग सभी देश हिस्सा लेते हैं। आधुनिक ओलंपिक 1896 से खेला जा रहा है। ओलंपिक का आखिरी संस्करण 2024 में पेरिस में आयोजित हुआ था और इसका अगला संस्करण 2028 में लास एंजिलिस में होना है। ओलंपिक में भारतीय दल का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। भारत ने ओलंपिक में अब तक कुल 41 पदक जीते हैं। इसमें 10 स्वर्ण, 10 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में कौन से देश लेते हैं हिस्सा – ओलंपिक के बाद राष्ट्रमंडल खेल का स्थान है। 1930 में ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रमंडल खेल (कामनवेल्थ गेम्स) में ब्रिटिश साम्राज्य या उसके आश्रितों के उपनिवेश रहे देश हिस्सा लेते हैं। राष्ट्रमंडल खेल में हिस्सा लेने वाले सदस्य देशों की संख्या 74 देश है। इसके अलावे कुछ इलाके (जिनका प्रतिनिधित्व कामनवेल्थ गेम्स फेडरेशन के सदस्य एसोसिएशन करते हैं) हिस्सा लेते हैं। भारत कामनवेल्थ गेम्स के इतिहास में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा सफल देश है। भारत ने 215 स्वर्ण, 206 रजत और 178 कांस्य पदक जीते हैं।

एशिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन है एशियाड – ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल के बाद एशियन गेम्स का नंबर आता है। इसे एशियाई खेल या एशियाड भी कहा जाता है। यह एशिया का सबसे बड़ा और वैश्विक रूप से तीसरा सबसे बड़ा खेल आयोजन है। एशियन गेम्स में एशिया महादेश के तहत आने वाले और ओलंपिक काउंसिल आफ एशिया से मान्यता प्राप्त 45 देश ही एशियन गेम्स में हिस्सा लेते हैं। 1951 में शुरू हुए एशियन गेम्स के हर संस्करण में भारतीय दल ने हिस्सा लिया है।

न्यूज ब्रीफ

महिला एशिया कप: नकवी से ट्राफी नहीं लेने के विवाद पर बोले अमोल मजूमदार, बीसीसीआई के फैसले के साथ हैं

दुबई। महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्राफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है। भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकार्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्राफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की याद दिलाता है। तब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराने के बाद नकवी से ट्राफी लेने से इनकार कर दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, यह रुख बीसीसीआई ने अपनाया है और हम इसके साथ खड़े हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है। हम चैंपियन हैं। उन्होंने आगे कहा, बड़े बोर्ड पर लिखा था कि भारत एशिया कप 2026 का चैंपियन है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुका है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का आठवां खिताब अपने नाम किया और अब टीम का अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन करना है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बार्टमैन बाहर , जेनसन शामिल

डरबन। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से होने वाली आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट पहले दक्षिण अफ्रीका को एक करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। इसी कारण बार्टमैन की जगह पर युवा तेज गेंदबाज डुआन जेनसन को टीम में शामिल किया गया है। जेनसन 19 सितंबर को डरबन में टीम से जुड़ेंगे। डुआन अपने भाई और दक्षिण अफ्रीकी आलराउंडर मार्को जेनसन के साथ टीम कैंप में शामिल होंगे। बार्टमैन का चोटिल होना इसलिए भी टीम के लिए चिन्ता का करण है क्योंकि पहले से ही प्रमुख तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा टीम से बाहर हैं। रबाडा भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण एकदिवसय सीरीज से बाहर हो गये हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी प्रभावित हुई है। बार्टमैन और रबाडा दोनों का बाहर होना निश्चित रूप से टीम की रणनीतिक योजनाओं के लिए परेशानी का कारण बना है। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 24 सितंबर से डरबन में खेला जाएगा। इसमें रबाडा की उपलब्धता पर बाद में फैसला लिया जाएगा। विशेषकर 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए। वह फिलहाल अपनी चोट से उबरने और टेस्ट मैचों के लिए फिट होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उनकी उपलब्धता पर अंतिम निर्णय टेस्ट सीरीज से पहले लिया जाएगा। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस टीम में नियमित कप्तान तेंबा बावुमा की वापसी हुई है।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनल : धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

साल्टिलो (मेक्सिको)। भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-आफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-आफ हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। पहले सेट में दोनों तीरंदाजों ने 28-28 अंक हासिल किए और एक-एक अंक बांटा। नाकानिशी ने दूसरा सेट 29-28 से जीतकर 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन धीरज ने तीसरा सेट 29-28 से अपने नाम कर स्कोर बराबर कर दिया। नाकानिशी ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो इनर-10 समेत कुल 29 अंक हासिल किए, जबकि धीरज 28 अंक ही बना सके। इससे जापानी तीरंदाज ने दबाव बढ़ा दिया। निर्णायक पांचवें सेट में दोनों ने पहली तीर से 9-9 अंक बनाए। धीरज ने दूसरी तीर पर 10 अंक हासिल कर बढ़त बनाई, जबकि नाकानिशी ने फिर 9 अंक जुटाए। धीरज की तीसरी तीर 9 अंक की रही।

डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में खेलने के लिए तैयार हैं पूर्व दिग्गज

दुबई

पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लेजेंड्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का तीसरा सत्र अगले माह 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग में कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे जिसमें भारत के युवराज सिंह के अलावा पाकिस्तान के शाहिद अफ़रीदी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर जैसे खिलाड़ी हैं।

यह टूर्नामेंट 3 से 18 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह के शानदार स्टेडियमों में आयोजित होगा, जहाँ प्रशंसकों को इन पूर्व क्रिकेटरों को देखने का अवसर एक बार फिर मिलेगा। लीग के पहले दो सत्र इंग्लैंड में सफलतापूर्वक आयोजित होने के बाद, यह पहली बार है जब टूर्नामेंट कहीं ओर खेला जा रहा है। यूएई में इसका आयोजन दक्षिण-एशियाई और प्रवासी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रोमांचक होगा। ये जो अपने पसंदीदा सितारों को अपनी नज़दीक से खेलते हुए देख पाएंगे। लीग ने सत्र 3 के फ़ाइनल कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

इस लीग में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट सितारे अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक साथ आएंगे। इनमें इंडिया चैंपियंस, पाकिस्तान चैंपियंस, आस्ट्रेलिया चैंपियंस, इंग्लैंड चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस, वेस्ट इंडीज़ चैंपियंस और बांग्लादेश चैंपियंस जैसी टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होगा, जो हमेशा की तरह क्रिकेट प्रशंसकों के बीच ज़बरदस्त उत्साह पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, कई अन्य मैचों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पुरानी प्रतिद्वंद्विताएँ एक बार फिर ताज़ा होंगी, जिसमें खेल के कुछ सबसे जाने-माने पूर्व खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। लीग के अनुसार, दूसरे सत्र के दौरान 425 मिलियन दर्शकों की वैश्विक संख्या हासिल करने के बाद, यह टूर्नामेंट अब अपनी लोकप्रियता को भुनाने और एक नए दर्शक वर्ग तक पहुँचने के लिए तैयार है।

हेसन बने रहना चाहते हैं पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच

लाहौर। माइक हेसन ने कहा है कि वह स्थायी रुप से पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहना चाहते है। सीमित ओवरों के कोच हेसन को इंग्लैड के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट में अंतरिम कोच की भी जिम्मेदारी दी गयी थी। हेसन के अनुसार वह पाकिस्तान के साथ आगे भी जुड़े रहना चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुरुआती दोनो टेस्ट में टीम की करारी हार के बाद सरफराज अहमद को कोच पद से हटाकर हसी को अंतिरिम कोच की जिम्मेदारी दी थी। हालांकि, हेसन के कोच बनने के बाद भी पाक के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आया और टीम को हार का ही सामना करना पड़ा। इंग्लैड ने तीसरे टेस्ट में पाक को आठ विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस प्रकार पाक को 3-0 से करारी हार मिली है। वहीं कोच ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट बहुत पसंद है और पाकिस्तान में काफी प्रतिभाएं मौजूद है। अगर हम खिलाड़ियों को सही दिशा दे सकें, तो आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं है। हेसन ने कहा है कि टीम बदलाव के लिए समय की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि एक या दो मुकाबलों से बदलाव नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा, यह बदलाव एक या दो मैचों में नहीं हो सकता, यहां काफी प्रतिभा है। अगर अवसर मिलात तो मैं जिम्मेदारी संभालने और टीम को आगे ले जाने पर विचार करूंगा। हेसन के अनुसार वह पाक की मौजूदा परेशानियों के बावजूद टीम की क्षमता से प्रभावित हैं। उन्हें भरोसा है कि सही योजना और दिशा के साथ टीम के प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है। गौरतलब है कि हेसन मई 2025 से ही पाक की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी टेस्ट कोच की भूमिका को लेकर अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और चयनकर्ताओं के साथ कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। वहीं पीसीबी से अभी तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है।

तन्वी पत्री ने जीता बैडमिंटन एशिया अंडर-17 का खिताब, शाइना मनिमुथु को हराकर बनीं चैंपियन

नई दिल्ली

भारत की 15 वर्षीय तन्वी पत्री ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन शाइना मनिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया।

ओडिशा की तन्वी ने इस जीत के साथ महाद्वीपीय अंडर-17 खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था और इसी साल बेंगलुरु में इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था।

तन्वी ने 2024 में अंडर-15 एशियाई खिताब जीता था और अब उन्होंने अंडर-17 एशियाई चैंपियन बनकर अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। उनकी जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंडर-17 लड़कियों के एकल का खिताब अपने पास बरकरार रखा। पिछले साल दीक्षा सुधाकर ने यह खिताब जीता था।

दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए कड़े मुकाबलों से गुजरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में बाई मिलने के बाद उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली को 18-16, 12-15, 15-13 से हराया। इसके बाद उन्होंने जापान की शिजुकु काशियो को 15-9, 15-12 से शिकस्त दी।

क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने चीन की लिन हेंग मेन को 15-8, 15-8 से सीधे गेमों में हराया। सेमीफाइनल में भी उन्होंने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, छठी वरीयता प्राप्त शाइना मनिमुथु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जापान की युई इताबाशी को हराया, जबकि सेमीफाइनल में एक अन्य जापानी खिलाड़ी अनोन ओकिमोटो को 15-13, 15-12 से शिकस्त दी।

रूट के निशाने पर हैं सचिन के ये रिकार्ड

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान जो रुट की नजरें अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के तीन बड़े रिकार्ड पर लगी हैं। हाल में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाने वाले रुट आजकल अच्छी लय में है जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है। वह अपने अपने करियर में उत्कर्ष पर हैं। इसमें प्रत्येक मैच के साथ ही वह नई उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में रुट ने तेंदुलकर का टेस्ट में सर्वाधिक अर्धशतकों का रिकार्ड तोड़ दिया। तेंदुलकर ने अपने करियर में 68 अर्धशतक लगाए थे, जबकि रूट केअब 69 अर्धशतक हो गये हैं। इससे उनके लगातार बेहतर होने का अंदाजा होता है। रूट की निगाहें अब तेंदुलकर के 15921 टेस्ट रनों के रिकार्ड पर लगी हैं। वहीं रूट ने अब तक 169 टेस्ट मुकाबलों में 14278 रन बनाये हैं। रूट को सचिन के इस रिकार्ड को तोड़ने के लिए अब केवल 1643 रनों की ही जरुरत है। रुट जिस प्रकार से खेल रहे हैं उससे तय है कि वह बहुत जल्द टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड बना सकते हैं।

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

न्यूयार्क

अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला।

29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की।

पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा।

ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया।

अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही। शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फाल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फाल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया।

शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंतत: ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

ज्वेरेव के खिलाफ मुकाबले से पहले शेल्टन का रिकार्ड 0-5 था। दोनों के बीच इससे पहले किसी ग्रैंड स्लैम में मुकाबला नहीं हुआ था और उनकी पिछली भिड़ंत 2025 एटीपी फाइनल्स में हुई थी। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज़ और हमवतन फ्रांसेस टियाफोए को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस हार के साथ अमेरिकी पुरुषों का यूएस ओपन जीतने का इंतजार जारी रहा। अमेरिका के एंडी राडिक ने 2003 में न्यूयार्क में खिताब जीता था और तब से कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत सका है।

एटीपी रैंकिंग: आठ साल बाद टाप-10 से बाहर हुए नोवाक जोकोविच, 12वें स्थान पर खिसके

नई दिल्ली

यूएस ओपन के पहले दौर में मिली चौंकाने वाली हार के बाद 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ताजा एटीपी रैंकिंग में शीर्ष-10 से बाहर हो गए। 39 वर्षीय जोकोविच अब विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं।

जोकोविच को यूएस ओपन के पहले दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नाओने ने चार घंटे 36 मिनट चले मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया। यह 2006 के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार था जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हुए। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन जोकोविच पिछले साल फ्लशिंग मीडोज में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ से हार मिली थी। इस साल अपने पिछले साल के रैंकिंग अंक का बचाव नहीं कर पाने के कारण उन्हें शीर्ष-10 से बाहर होना पड़ा।

जोकोविच ने 2007 में पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष-10 में जगह बनाई थी। 2017 में विंबलडन क्वार्टर फाइनल के दौरान कोहनी की समस्या के कारण उन्हें मुकाबला छोड़ना पड़ा था और वह बाकी सत्र से बाहर रहे थे। इसके बाद नवंबर में वह शीर्ष-10 से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2018 में घास के इस ग्रैंड स्लैम का चौथा खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिर शीर्ष-10 में वापसी की थी।

जोकोविच के नाम एटीपी रैंकिंग इतिहास में विश्व नंबर-1 के रूप में सबसे अधिक 428 सप्ताह बिताने का रिकार्ड है।

शीर्ष-10 रैंकिंग

- 1. यानिक सिनर - 11,500 अंक
- 2. अलेक्जेंडर ज्वेरेव - 9,690 अंक
- 3. कार्लोस अल्कराज़ - 5,560 अंक
- 4. बेन शेल्टन - 4,680 अंक (+5)
- 5. फेलिक्स आजे-अलियासिम - 3,890 अंक (-1)
- 6. दानिल मेदवेदेव - 3,770 अंक (+2)

- 7. फ्लावियो कोबोली - 3,720 अंक (-1)
- 8. फ्रांसेस टियाफोए - 3,380 अंक (+4)
- 9. एलेक्स डी मिनौर - 3,300 अंक (-2)
- 10. टेलर फ्रिट्ज - 3,175 अंक

इस बदलाव के साथ अक्टूबर 2002 के बाद पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष-10 में बिग थ्री के किसी भी सदस्य का नाम नहीं है। रोजर फेडरर ने 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने 2024 में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया था।

यूएस ओपन का अपना पहला खिताब जीतने वाले ज्वेरेव दूसरे स्थान पर कायम हैं, लेकिन उन्होंने शीर्ष स्थान पर मौजूद यानिक सिनर के साथ अंकों का अंतर कम कर दिया है। घुटने की चोट के कारण सिनर इस साल न्यूयार्क में नहीं खेले थे। फाइनल में ज्वेरेव से हारने वाले बेन शेल्टन करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में शेल्टन से हारने वाले फ्रांसेस टियाफोए भी 12वें से आठवें स्थान पर पहुंचकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए। यूएस ओपन के अंतिम-16 तक पहुंचने वाले दानिल मेदवेदेव आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं फेलिक्स आजे-अलियासिम, फ्लावियो कोबोली और एलेक्स डी मिनौर की रैंकिंग में गिरावट हुई है।

भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग

युगल: यूकी भांबरी 44वें, एन. श्रीराम बालाजी 49वें, निकी पूनाचा 87वें, अनिरुद्ध चंद्रशेखर 88वें, सिद्धांत बंठिया 116वें, अर्जुन कढ़े 142वें, ऋत्विक चौधरी बोल्लीपल्ली 154वें, रामकुमार रामनाथन 173वें, एन. विजय सुंदर प्रशांत 192वें और एस. डी. प्रज्वल देव 196वें स्थान पर हैं।

एकल: सुमित नागल 245वें, दक्षिणेश्वर सुरेश 364वें और मानस धामने 366वें स्थान पर हैं।

गणपति बप्पा मोरया...

आमची मुंबई से साड्डी दिल्ली तक गणेश उत्सव की धूम, पंडालों में विराजे बप्पा

देशभर में गणपति महोत्सव की धूम देखने को मिल रही है। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ भक्त लोग धूमधाम से गणेश उत्सव मना रहे हैं। मुंबई में बप्पा के पंडालों की रौनक देख लग रहा है पूरा शहर ही गणपति के रंग में रंग गया है। लेकिन अब इसके लिए मुंबई जाना जरूरी नहीं। दिल्ली-एनसीआर में गूंज रहा है गणपति बप्पा मोरया। कहीं महाराष्ट्र वाला ट्रेडिशनल फील है, कहीं दिल्ली की स्पीड और यंग जेनरेशन वाला ट्रेंड। पंडालों में पूजा के साथ म्यूजिक, डांस, कल्चरल प्रोग्राम और सोशल मीडिया वाली रौनक भी है। मुंबई से करीब हजार किलोमीटर दूर दिल्ली में बप्पा का आगमन बस एक त्योहार की कहानी नहीं उन परिवारों की भी कहानी है जो अपने साथ महाराष्ट्र की मिट्टी, भाषा, स्वाद और परंपरा लेकर दिल्ली आए और उसे अगली पीढ़ी के साथ जी रहे हैं। दिल्ली में मराठी समुदाय महाराष्ट्र की परंपरा को जीते हुए हर साल धूमधाम से गणेश उत्सव मनाता है। आनंद विहार के रहने वाले प्रशांत साठे रविवार को गणपति पूजा पंडाल की तैयारियों में व्यस्त रहे। वो दिल्ली में 43वां गणेश उत्सव मना रहे हैं। गणेशोत्सव उनके लिए केवल पूजा नहीं, दिल्ली में महाराष्ट्र और अपने गांव को जीने का मौका है। उन्हें इन दिनों महाराष्ट्र बहुत याद आता है। अब दिल्ली-एनसीआर में मराठी समुदाय के करीब 25 से 30 मंडल एक्टिव हैं। ईस्ट दिल्ली के पूर्वांचल महाराष्ट्र मंडल की शुरुआत 1984 में हुई और तब से यहां गणेश उत्सव मनाया जाता है। दिल्ली का दायरा बड़ा है, हर पंडाल तक पहुंचना आसान नहीं, इसलिए मराठी परिवारों ने अपने-अपने इलाकों में मंडल बना लिए। लोगों में इस उत्सव को लेकर गजब का उत्साह देखा जा रहा है। दिल्ली में 23 साल से रह रहे कार्टूनिस्ट माधव जोशी अक्सर खुद बप्पा की मूर्ति बनाते हैं। लेकिन इस बार बेटी के बोर्ड एग्जाम की वजह से बाजार से मूर्ति लेकर आए हैं। उनके पैतृक गांव में गणपति स्थापना के पांचवें दिन माता गौरी के आने की परंपरा है। पांचवें दिन गौरी पूजा और सातवें या दसवें दिन विसर्जन होता है। हालांकि महानगर की भागदौड़ ने उत्सव का कैलेंडर भी बदला है। अब कई जगह डेढ़, पांच, सात या दस दिन का गणेश उत्सव मनाया जाता है। पूर्वांचल महाराष्ट्र मंडल के ट्रेजरर प्रशांत बताते हैं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव समुदाय को साथ लाने का जरिया बनाया था। दिल्ली में वही परंपरा दिखाई देती है घरों में गणपति स्थापित होते हैं, पंडाल सजते हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सभी इसमें शामिल होते हैं। वहीं अब कई गैर-मराठी परिवार भी इस उत्सव का हिस्सा बन रहे हैं। जनकपुरी में गणेश प्रतिमा और डेकोरेटिव आइटम की दुकान लगाने वाली नीलिमा भागवत हर साल गणेशोत्सव से पहले महाराष्ट्र जाकर मूर्तियां लाती हैं। उनके मुताबिक करीब 50 प्रतिमाओं से शुरू हुआ काम अब हज़ारों प्रतिमाएं लाने के बाद भी शॉर्टेज में पड़ जाता है। इस बार लोग उनसे 2000 प्रतिमाएं लेकर गए। सितंबर में काम डबल हो जाता है। वो कहती हैं कि महाराष्ट्र में बनी प्रतिमाओं और दिल्ली में बनी मूर्तियों में बहुत अंतर है। महाराष्ट्र की मिट्टी की मूर्तियों की अपनी खास पहचान है। दिल्ली में गणेशोत्सव की कहानी सिर्फ नए बने मंडलों की नहीं है। 1919 में महाराष्ट्र स्नेह संवर्धक समाज की स्थापना के साथ दिल्ली के मराठी समुदाय का संगठित सामाजिक जीवन मजबूत हुआ। लेखक विवेक शुक्ला कहते हैं कि उस दौर में दिल्ली आए कई मराठी परिवार रेलवे और सरकारी कामकाज से जुड़े थे। दिल्ली राजधानी बनी तो बॉम्बे प्रेसीडेंसी से भी कई परिवार दिल्ली आए और करोल बाग जैसे इलाकों में बसे। 1957 में फैज रोड पर चौगुले पब्लिक स्कूल की स्थापना हुई। नूतन मराठी स्कूल और चौगुले पब्लिक स्कूल ने शिक्षा के साथ मराठी भाषा और संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का काम किया। इसलिए अब दिल्ली में गणेशोत्सव सिर्फ मराठियों का त्योहार नहीं रहा। आस्था, ट्रेंड और कल्चर मिलाकर अब ये दिल्ली का भी फेस्टिवल है। कई हिंदी भाषी और गैर-मराठी परिवार गणपति स्थापना करते हैं और मराठी मंडलों से स्थापना, पूजा और विसर्जन की विधि तक पूछते हैं। महाराष्ट्र सदन में 14 से 25 सितंबर तक गणेशोत्सव मनाया जाएगा। यहां मराठी थिएटर, फिल्म, संगीत, गजल, लोककला, लावणी और डांस जैसे कार्यक्रम होंगे। लक्ष्मी नगर अपना 25वां गणेश महोत्सव मना रहा है। गुरुग्राम में 14 से 20 सितंबर तक गणेशोत्सव की तैयारी है, जिसकी थीम स्वराज का विघ्नहर्ता है। दिल्ली-एनसीआर में बप्पा की मौजूदगी अब सिर्फ महाराष्ट्र की याद नहीं है। ये परंपरा प्रतिष्ठा अनुशासन नहीं, परंपरा,पहचान और नए मेलजोल की कहानी है। राजमा-चावल और छोले-भटूरे के शहर में पूरनपोली और श्रीखंड के स्वाद की कहानी है।

गणेश चतुर्थी पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सभी ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने भगवान गणेश से देश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, विवेक, समृद्धि और शुभारंभ के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व जीवन में ऊर्जा, ज्ञान और सकारात्मकता का संचार करता है तथा नए संकल्पों के साथ प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भगवान गणेश से सभी के जीवन में सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और ज्ञान का प्रतीक बताते हुए कहा कि वे सभी को शांति, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद दें। उन्होंने लोगों से विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ हर बाधा को पार करने की प्रेरणा लेने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दी और उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह भरे। उनकी कृपा से सभी कार्य सफल हों और देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म *एक्स* पर संस्कृत के एक श्लोक को साझा करते हुए लिखा कि *मुदाकरात्तमोदकं सदा विमुक्तिसाधकं कलाधरावतंसकं विलासिलोकरक्षकम्। अनायकैकनायकं विनाशितेभदैत्यकं, नताशुभाशुनाशकं नमामि तं विनायकम्।।* जिसका भावार्थ है कि जिनके कर कमलों में मोदक सुशोभित है, जो सदैव मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिन्होंने चंद्रमा को अपने मस्तक का आभूषण बनाया है, जो संपूर्ण जगत् के रक्षक हैं और संपूर्ण ब्रह्मांड के एकमात्र स्वामी हैं, जिन्होंने गजासुर राक्षस का संहार किया और जो अपने भक्तों को समस्त कष्टों से शीघ्र ही मुक्त कर देते हैं उन भगवान श्रीविनायक को मैं प्रणाम करता हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान गणेश सभी के जीवन से विघ्न-बाधाएं दूर करें और सुख, शांति, समृद्धि तथा आरोग्य प्रदान करें। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश का आशीर्वाद राष्ट्र की प्रगति और जनकल्याण के संकल्प को नई ऊर्जा दे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भगवान गणेश ज्ञान, विवेक, समृद्धि और शुभारंभ के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारतीयों को अपनी सनातन संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने के साथ समाज में एकता, सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत करने की प्रेरणा देता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कामना की कि गणपति बप्पा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल का वास हो। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भगवान गणेश से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करते हुए *गणपति बप्पा मोरया* का जयघोष किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि *वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥* भगवान गणेश से सभी के जीवन में खुशियां, समृद्धि, शांति और सफलता लाने तथा सभी बाधाओं को दूर करने की प्रार्थना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी भगवान गणेश से देशवासियों के जीवन में खुशियां, शांति, सौभाग्य और समृद्धि का संचार करने की कामना की। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता आए।

गणेश चतुर्थी पर गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पट सुबह चार बजे खुले। पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया। गणेश चतुर्थी पर बाबा महाकाल को रजत आभूषण धारण कराए गए। भांग और चंदन से लेपन कर त्रिपुंड लगाया गया। इसके बाद भगवान का गणेश स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्पों के साथ रुद्राक्ष और पुष्प मालाओं से बाबा का अलंकरण किया गया। भस्म अर्पण से पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंत्रोच्चार के बीच भगवान का ध्यान किया गया। हरिओम का जल अर्पित करने के बाद कपूर आरती हुई। इसके पश्चात ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म अर्पित की गई। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म आरती के बाद बाबा को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुण्डमाला और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई। भस्म आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। बाबा महाकाल के गणेश स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया।

प्रथम पूज्य गणपति में समाहित है बुद्धि, विवेक और मंगल का संदेश

देशभर में आज से शुरू होने वाले गणेश महोत्सव की धूम 25 सितंबर तक रहेगी। लोग श्रद्धा-भक्ति के साथ भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर संपूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वास्तव में विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, गणनायक, एकदंत, लंबोदर और गजानन जैसे अनेक नामों से पूजे जाने वाले भगवान गणेश भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में विशिष्ट स्थान रखते हैं। किसी भी शुभ कार्य के आरंभ में प्रथम पूज्य के रूप में गणपति का स्मरण करने की परंपरा रही है। धार्मिक मान्यताओं में उन्हें बुद्धि, विवेक, विद्या और शुभारंभ का देवता माना गया है। यही कारण है कि विवाह, गृहप्रवेश, यज्ञ, पूजा, व्यापार और शिक्षा जैसे मांगलिक कार्यों में सबसे पहले गणेश पूजन किया जाता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। हालांकि परंपरा के अनुसार कई परिवार डेढ़, तीन, पांच या सात दिन बाद भी अपनी सुविधा और कुलाचार के अनुसार गणपति विसर्जन करते हैं। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह कला, लोकसंस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक चेतना से जुड़ा व्यापक पर्व बन चुका है। महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव ने सामाजिक एकता और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में जनजागरण का माध्यम बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समय के साथ यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों में बसे भारतीय समुदायों तक पहुंच गया। गणेश : बुद्धि और मंगल के प्रतीकसनातन परंपरा में भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और बुद्धि-विवेक का अधिष्ठाता माना जाता है। धार्मिक विश्वास है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश पूजन करने से कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। गणेश शब्द की व्याख्या *गणों के ईश* के रूप में की जाती है। वे भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र तथा शिवगणों के अधिपति माने जाते हैं। धार्मिक परंपराओं में गणेश को विद्या, बुद्धि, सिद्धि, समृद्धि और आनंद से भी जोड़ा गया है। बुधवार को भी गणेश आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं में बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, गणना और व्यापार से जोड़ा जाता है। हालांकि इससे जुड़े फल धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों का हिस्सा हैं। गणेश चतुर्थी का धार्मिक महत्वभाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी तिथि को भगवान गणेश का प्राकट्य हुआ था। श्रद्धालु इस दिन विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर दूर्वा, मोदक, लड्डू और पुष्प अर्पित करते हैं। घरों और पंडालों में पूजा, आरती, भजन-कीर्तन तथा अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम चरण में गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। धार्मिक भाव में इसे भगवान गणेश के अपने धाम लौटने और अगले वर्ष फिर आने के निमंत्रण से जोड़ा जाता है। वर्ष 2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को और अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर को होगी। चतुर्थी तिथि 14 सितंबर से 15 सितंबर की सुबह तक रहने के बावजूद पर्व का पालन उदयातिथि के अनुसार 14 सितंबर को किया जाएगा। महाराष्ट्र से देशव्यापी जनोत्सव तकगणेश पूजा की परंपरा प्राचीन है लेकिन महाराष्ट्र में इसे सार्वजनिक और व्यापक सामाजिक उत्सव का स्वरूप अपेक्षाकृत आधुनिक दौर में मिला। मराठा शासन और पेशवा काल में गणेश आराधना को विशेष महत्व प्राप्त था। बाद में सार्वजनिक गणेशोत्सव को व्यापक स्वरूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से जुड़ा। 1893 में पुणे में तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप देने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य धार्मिक आयोजन को सामाजिक एकता, जनजागरण और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में विकसित करना था। ब्रिटिश शासन के दौर में बड़े राजनीतिक जमावड़ों पर कई तरह की पाबंदियां थीं। ऐसे समय में धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का माध्यम बने। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने महाराष्ट्र में सामूहिक भागीदारी और राष्ट्रवादी चेतना को मजबूत किया। बाद के वर्षों में इसकी लोकप्रियता महाराष्ट्र से बाहर भी फैलती गई। आज मुंबई, पुणे, नागपुर, हैदराबाद, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई सहित देश के अनेक शहरों में बड़े सार्वजनिक आयोजन होते हैं। विदेशों में भी गूंजता है *गणपति बप्पा मोरया* भारतीय प्रवासी समुदाय के विस्तार के साथ गणेशोत्सव दुनिया के कई देशों तक पहुंच चुका है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया और मॉरीशस सहित अनेक देशों में भारतीय समुदाय गणेश चतुर्थी पर पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। विदेशों में यह पर्व भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का माध्यम भी बन रहा है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों में गणेश की प्राचीन प्रतिमाएं और उनसे जुड़े सांस्कृतिक प्रतीक मिलते हैं। इंडोनेशिया सहित कई देशों में गणेश की ऐतिहासिक प्रतिमाएं भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव के पुराने प्रसार की ओर संकेत करती हैं। हालांकि इन क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी भारत जैसी एकरूप परंपरा में मनाई जाती रही हो, ऐसा कहना उचित नहीं होगा। क्यों हैं गणपति प्रथम पूज्य भगवान गणेश के प्रथम पूज्य होने को लेकर पुराणों और लोकपरंपराओं में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। इनमें गणेश और उनके बड़े भाई कार्तिकेय से जुड़ी कथा सबसे प्रसिद्ध है। कथानुसार एक बार दोनों भाइयों के बीच श्रेष्ठता को लेकर प्रश्न उठा। भगवान शिव ने कहा कि जो पूरे संसार की परिक्रमा करके पहले लौटेगा, वही श्रेष्ठ माना जाएगा। कार्तिकेय अपने वाहन मयूर पर सवार होकर निकल पड़े। गणेश का वाहन मूषक था। उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए माता-पिता की परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही संपूर्ण संसार हैं। गणेश की बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें प्रथम पूज्य होने का वर दिया। धार्मिक परंपरा में यह कथा शक्ति और गति के मुकाबले बुद्धि और विवेक की महत्ता का प्रतीक मानी जाती है। इसका संदेश है कि हर चुनौती का समाधान केवल शारीरिक सामर्थ्य या गति से नहीं बल्कि सूझबूझ से भी संभव है।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**